RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 स्त्री 3 में नजर आएंगी अन्या सिंह...

वर्ष : 26 | अंक : 252 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 03 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

प्रदेश में 3 करोड़ से ज्यादा नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश में भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आज उत्तर प्रदेश में सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इस सदस्यता अभियान के द्वारा उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ से ज्यादा नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सदस्यता अभियान की शुरूआत पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह सबसे पहले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को इस राष्ट्रीय स्तर के सदस्यता अभियान को उत्तर प्रदेश में शुरू करने के लिए बधाई देते हैं। यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के अंदर केवल भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो कैडर आधारित पार्टी है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो भारत की माटी, महापुरूषों और राष्ट्रसर्वोपरि के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। भाजपा ने आज अपने स्वरूप को पूरे देश में सर्वव्यापी बना लिया है तथा इस यात्रा में समाज के हर तबके को तोड़ने में सफलता हासिल की है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम सहित भाजपा के बड़े नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ले ली है। इसके साथ ही यूपी में भाजपा का सदस्यता अभियान प्रारंभ हो गया। यह अभियान दो सितंबर को शुरू हुआ और 25 सितंबर तक चलेगा। अभियान का प्रारंभ सोमवार को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पार्टी की सदस्यता दिलाकर की।

लखनऊ के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान प्रारंभ हो चुका है। पहले चरण का अभियान 2 सितंबर से 25 सितंबर और दूसरे चरण का अभियान एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। जनसंघ से लेकर भाजपा तक हमारे अभियान लगातार जारी हैं। लोग हमारी विचारधारा पर आरोप लगाते रहे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा संभालेगी CISF, गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में बन रहे एशिया के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को सौंप जाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है।

ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) का निर्माण तेज गति से चल रहा है। जेवर एयरपोर्ट से फ्लाइट दिसंबर 2024 में उड़ने की तैयारी थी, लेकिन निर्माण कार्य में देरी के चलते यह सीमा बढ़ाकर अप्रैल 2025 कर दी गई है। अप्रैल 2025 के अंत तक जेवर एयरपोर्ट से पैसेंजर फ्लाइट्स का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। एयरपोर्ट उपकरणों की जांच के लिए सितंबर व अक्टूबर में इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की जांच होगी।

जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा 1047 जवान संभालेंगे

ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में निर्माणाधीन जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसफ) को सौंप गई है। सीआईएसएफ के 1047 जवान एयरपोर्ट की सुरक्षा की कमान संभालेंगे।

सुरक्षा जवानों को दो श्रेणी में मिलेंगे आवास

जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा का जिम्मा गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ को सौंपा है। एयरपोर्ट की सुरक्षा की कमान संभालने वाले जवानों को दो श्रेणी में आवास आवंटित किए जाएंगे। इसके तहत अविवाहित जवानों के लिए छात्रावास की तरह सुविधा मौजूद रहेगी। जबकि शादीशुदा जवानों के परिवार को ध्यान में रखते हुए आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी।

जबकि दिसंबर में वैलिडेशन और टेस्ट फ्लाइट के बाद एरोड्रम लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। एयरपोर्ट पर सुरक्षा संबंधी मुद्दे पर उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में लखनऊ में बैठक हुई थी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दूषित पानी पीने से बीमार होने का मामला

इको विलेज-2 सोसायटी में मेडिकल टीम ने लगाया कैंप

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इको विलेज-2 सोसायटी में गंदा पानी पीने से बीमार हुए सोसायटीवासियों के स्वास्थ्य की जांच के लिए जिला प्रशासन ने सोसायटी में मेडिकल कैंप लगाया है। कैंप में सभी सोसायटीवासियों का हेल्थ चैकअप किया जा रहा है। वहीं सोसायटीवासी अभी भी डर के मारे बाहर से पानी खरीदकर पी रहे हैं। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोसायटी में सप्लाई हो रहे पानी की जांच करने तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से पानी की सप्लाई में कहां बाधा आ रही है इसकी जांच के निर्देश दिये हैं।

गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने इस संबंध में बताया कि प्रशासन को सूचना मिली कि सोसायटी में रहने वाले लोग बीमार हो रहे हैं। इनमें बच्चों की संख्या बढ़ने के बाद जिला प्रशासन की स्वास्थ्य विभाग की टीम सोसाइटी में कैम्प लगा सभी की जांच कर रही है। भूगर्भ जल संरक्षण की टीम पानी की सैंपलिंग कर रही है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कंटेनर डिपो के पास मिला लहूलुहान शव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता कैंटेनर डिपो के पास आज सुबह को एक 32 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहुलुहान शव सड़क किनारे पुलिस को मिला है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति की मौत सड़क हादसे के चलते हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। आज सुबह को थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना मिली कि तिलपता कंटेनर डिपो के पास एक (32 वर्षीय) अज्ञात व्यक्ति का लहुलुहान शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

काली पट्टी बांधकर फार्मासिस्ट ने किया विरोध प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। आज एनपीएस/यूपीएस के विरोध तथा ओपीएस की बहाली को लेकर राजकीय जिला संयुक्त चिकित्सालय सेक्टर-39 में सैकडों फार्मासिस्ट ने हाथ में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन 6 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन में आगे आंदोलन की भावी रणनीति तय की जाएगी।

प्रदर्शन करने वालों में डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन (डीपीए) के अध्यक्ष कपिल चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भीम सिंह चौहान, जिला मंत्री संजीव शर्मा, संगठन मंत्री गिरेन्द्र सिंह, संयुक्त मंत्री सुरेश पवार, कोषाध्यक्ष दीपक शर्मा समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस प्रदर्शन में अटेवा के भी कई कर्मचारी शामिल थे।

दो पक्षों में मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-प्रथम क्षेत्र के इमीलिया गांव में दो पक्ष आपस में मारपीट कर रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उन्हें समझाने का प्रयास किया तो वे नहीं माने। इस मामले में उप निरीक्षक ने दोनों पक्ष के आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना ईकोटेक पुलिस ने बताया कि 2 सितंबर की रात को उपनिरीक्षक इमरान अंसारी अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। जब वह लोग इमलिया गांव पहुंचे तो उन्हें सूचना मिली कि गांव के दो पक्षों में आपस में झगड़ा हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने झगड़ा कर रहे लोगों **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भाजपा में 11 हजार प्राथमिक सदस्य जोड़ेगा उप्र युवा व्यापार मंडल

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दम्भ भरने वाली भारतीय जनता पार्टी में अब व्यापारी व उद्यमी भी खुलकर जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल भी अपने 11000 सदस्यों को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनायेगा। यह जानकारी उप्र युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने दी है।

श्री जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आहवान पर आज से शुरू भाजपा के सदस्यता अभियान में युवा व्यापार मंडल भी पुरजोर सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में फिलहाल पहले चरण में 11000 सदस्यों को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनाया जाएगा। उन्होंने अपने सभी सदस्यों से इस अभियान में जुड़ने की अपील की है।

रेप पीड़िता को दी तेजाब फेंकने की धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर में एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वर्ष 2023 में उसके साथ बलात्कार हुआ था। उसके अनुसार वह कोर्ट में अपना बयान दर्ज करवाने आई थी। इसी बीच आरोपी अपने साथियों के साथ आया तथा उसने उसे धमकी दी। पीड़िता के अनुसार वह उसकी अश्लील वीडियो वायरल करने तथा उसके ऊपर तेजाब फेंकने की धमकी दे रहा है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर पुलिस ने बताया कि बीती रात को दिल्ली की रहने वाली एक युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके साथ राहुल नागर पुत्र गजराज निवासी ग्राम कुड़ीखेड़ा ने बलात्कार किया था। इस मामले में उसने थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़िता के अनुसार 30 अगस्त **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

यूपी के सरकारी कर्मचारियों को एक माह की राहत

2 अक्टूबर तक देना होगा संपत्ति का ब्यौरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए एक महीने का और समय दिया है। अब राज्य कर्मचारी दो अक्तूबर तक ब्यौरा दे सकेंगे। बता दें कि आदेश दिया गया था कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कर्मचारियों का अगस्त का वेतन रोक दिया जाएगा। अब उन्हें एक महीने की छूट दी गई है। मुख्य सचिव ने 31 अगस्त तक हर हाल में मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा देने के निर्देश दिए थे। तय तिथि तक राज्य सरकार के 71 फीसदी कार्मिकों ने ही अपनी संपत्ति का खुलासा किया।

देश में अपनी संपत्ति का

ब्यौरा न देने वाले 2.44 लाख राज्य कार्मिकों का अगस्त का वेतन रोक दिया गया है। मुख्य सचिव ने 31 अगस्त तक हर हाल में मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा देने के निर्देश दिए थे। तय तिथि तक राज्य सरकार के 71 फीसदी कार्मिकों ने ही अपनी संपत्ति का खुलासा किया।

नोएडा प्राधिकरण में काम का बोझ बढ़ा अधिकारियों व कर्मचारियों का टोटा

प्राधिकरण को खाली करने पर आमादा है औद्योगिक विकास विभाग

नोएडा (चेतना मंच)। प्रदेश के औद्योगिक विकास विभाग की उपेक्षा के कारण नोएडा प्राधिकरण में काम-काज पर तकरीबन ब्रेक सा लगता जा रहा है। वर्तमान में मात्र 40 फीसदी स्टाफ के बूते 7 लाख से अधिक आबादी वाले शहर में विकास कार्यों व रखरखाव करने में परेशानी हो रही है। इसके बाद भी प्रदेश सरकार बचे-खुचे कर्मचारियों व अधिकारियों पर निलंबन आदि की कार्यवाही कर नोएडा प्राधिकरण को भगवान भरोसे छोड़ने पर आमादा है।

बता दें कि नोएडा प्राधिकरण में कुल 2187 पद स्वीकृत हैं। इसमें केन्द्रीयकृत सेवा नियमवावली

2018 के तहत 552 पद सीधी भर्ती से भरे जाते हैं। जबकि नियमावली-2018 से अलग हटकर 1036 पद सृजित हैं। दोनों श्रेणियों में पदोन्नति के आधार पर 424 तथा 125 पद स्वीकृत हैं।

प्राधिकरण के सूत्र बताते हैं कि दोनों श्रेणियों में सीधी भर्ती से 690 पदों पर अधिकारी तथा कर्मचारी कार्यरत हैं। जबकि पदोन्नति के आधार पर 211 अधिकारी कार्यरत हैं। दोनों श्रेणियों में सीधी भर्ती के तौर पर होने वाले 598 तथा पदोन्नति के आधार पर भर पर भरे जाने वाले 388 पद खाली हैं। इस तरह अभी कुल 1286 पदों पर भर्ती होनी है।

इसके बावजूद सैकड़ों लोगों का तबादला बाहर कर दिया गया है। हाल ही में आधा दर्जन अधिकारियों को निलंबित किया गया। कुछ पर कार्यवाही की जानी है। ऐसे में कम होती कर्मचारियों व अधिकारियों की संख्या के चलते नोएडा का कामकाज काफी प्रभावित हो रहा है। लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

सेक्टर-11 में रोजगार मेले का आयोजन आज से, 6 तक चलेगा

नोएडा (चेतना मंच)। जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, द्वारा 3 से 6 सितंबर तक सेवायोजन कार्यालय गाँव झुंडपुरा, सेक्टर-11 नोएडा में समय प्रातः 10.00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। रोजगार मेले में विभिन्न कम्पनियों ने रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से प्रतिभाग करने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है। जिसमें हाईस्कूल, आई0टी0आई0, इण्टरमीडिएट एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों हेतु रिक्तियां प्राप्त हुई है। इसी योग्यता के अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच है वह ही रोजगार मेले में भाग ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि जुबियलेन्ट फूडस कम्पनी को

विशेष योग्यता के रूप में मोमोज बनाने वाले कुशल अभ्यर्थियों की अवश्यकता दर्शायी गयी है। अभ्यर्थी उपरोक्त मेले में प्रतिभाग हेतु रोजगार संगम पोर्टल (ROJGAR SANGAM.UP.GOV.IN) पर जॉबसीकर के रूप में पंजीयन करें तथा रोजगार मेले में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी प्रतिभा के अनुसार कम्पनियों में साक्षात्कार देकर सेवायेजित होने का अवसर प्राप्त करें।

बढ़ती आत्महत्याएं

यह किसी राष्ट्र के लिये शर्मसार करने वाली स्थिति है कि उसके युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या में मुक्ति की राह तलाश रहे हैं। हाल के दिनों में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याएं विचलित करने वाली हैं। सबसे दुखद यह है कि छात्रों की आत्महत्या की संख्या किसानों की आत्महत्या से ज्यादा हो गई है। हालांकि, आत्महत्या के मामले में किसी भी वर्ग से तुलना नहीं की जा सकती है, लेकिन सुनहरे भविष्य के सपने देखने वाली संभावना का असमय अंत पीड़ादायक है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को इस भयावह संकट का तात्कालिक समाधान तलाशना चाहिए। हाल ही में आईसी-3 संस्थान की रिपोर्ट इस भयावह संकट पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 के दशक में देश के 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की। जो कि पिछले दशक की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। जो निश्चय ही बड़ी चिंता का विषय है। दरअसल, लगातार बढ़ते शैक्षणिक दबाव, जबरन कैरियर विकल्प देने, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और वित्तीय बोझ युवाओं को निराशा के गर्त में धकेल रहा है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता पता चलता है। जहां वर्ष 2019 और 2023 के बीच 69 छात्रों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पिछले वर्षों में कोटा के कोचिंग संस्थानों में युवा छात्रों के जीवन समाप्त करने का ग्राफ बढ़ा है। इन बेहद कष्टकारी आंकड़ों पर मंथन करके नीति-नियंताओं को युवा मन की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, यह एक हकीकत है कि देश में युवाओं को योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर मिलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन घोषणावीर नेतृत्व इस हकीकत को गंभीरता से नहीं ले रहा है। नौकरी के अभाव में हताशा में जीने वाला युवा एक दमघोंटू माहौल में जी रहा है। सीमित संख्या में घोषित होने वाली नौकरियों के लिए लाखों बेरोजगारों के आवेदन संकट का चित्र उकेरते हैं। सरकारों को वास्तविक रोजगार अभियान चलाकर युवाओं का मनोबल बढ़ाना चाहिए। घटते रोजगार के अवसर युवाओं में हताशा पैदा कर रहे हैं। जिसके कालांतर आत्मघाती परिणाम सामने आते हैं। निस्संदेह, परिवार के लोगों की भी बच्चों के कैरियर में मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका होती है। अभिभावकों को चाहिए कि कैरियर के मामले में वे अपनी इच्छाओं को थोपने के बजाय बच्चों की रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प तलाशने में उनकी मदद करें। अपनी मनपसंद के व्यवसाय में युवा अच्छी सफलता पाते हैं और पूरे मनोयोग से अपने लक्ष्य विपरीत परिस्थितियों में भी हासिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर स्कूल-कॉलेजों में ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिससे कमजोर छात्रों को बेहतर करने का अवसर मिल सके। इस कार्य में शिक्षक अकादमिक मार्गदर्शन के साथ ही उन्हें सशक्त भावनात्मक संबल भी प्रदान कर सकते हैं। लेकिन सबसे व्यावहारिक समाधान रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने का है। जिससे छात्र कोई आत्मघाती कदम उठाने से बच सकें। हमें उनके उज्ज्वल भविष्य के अनुरूप वातावरण तैयार करने की पहल युद्धस्तर पर करनी चाहिए। युवाओं का आत्मघात की राह पर बढ़ना बेहद त्रासदी की बात है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि राक्षसों के साथ घोर युद्ध ही वर्षा ऋतु है, जो देवकुल रूपी धान के लिए सुंदर कल्याण करने वाली है। रामचंद्रजी के राज्यकाल का जो सुख, विनम्रता और बड़ाई है, वही निर्मल सुख देने वाली सुहावनी शरद् ऋतु है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सती सिरोमनि सिय गुन गाथा। सोइ गुन अमल अनूपम पाथा॥
भरत सुभाउ सुसीतलताई। सदा एकरस बरनि न जाई॥

सती-शिरोमणि श्री सीताजी के गुणों की जो कथा है, वही इस जल का निर्मल और अनुपम गुण है। श्री भरतजी का स्वभाव इस नदी की सुंदर शीतलता है, जो सदा एक सी रहती है और जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता॥

दो0-अवलोकनि बोलनि मिलनि प्रीति परसपर हास।
भायप भलि चहु बंधु की जल माधुरी सुबास॥

चारों भाइयों का परस्पर देखना, बोलना, मिलना, एक-दूसरे से प्रेम करना, हँसना और सुंदर भाईपना इस जल की मधुरता और सुगंध है॥

आरति बिनय दीनता मोरी। लघुता ललित सुबारि न थोरी॥
अदभुत सलिल सुनत गुनकारी। आस पिआस मनोमल हारी॥

मेरा आर्तभाव, विनय और दीनता इस सुंदर और निर्मल जल का कम हलकापन नहीं है (अर्थात अत्यंत हलकापन है)। यह जल बड़ा ही अनोखा है, जो सुनने से ही गुण करता है और आशा रूपी प्यास को और मन के मैल को दूर कर देता है॥

(क्रमश:..)

भारत-पाकिस्तान के बीच बदलती फिजा के संकेत

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें - 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्तूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया। यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए।

हर चीज़ को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए,क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत-पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम ग्रेड की सफेद हेरोइन -स्थानीय भाषा में चिट्टा- पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के आदेश पर पैकेटों के रूप में पहुंचाई जाती है। निसंदेह 'छद्म युद्ध' चलाने के अनेकानेक तरीके हैं।

दूसरा तरीका है, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ जम्मू क्षेत्र में करवाना। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि हाल के महीनों में भारतीय सैनिकों और अर्धसैनिक बलों पर घात लगाकर जो हमले हुए हैं- जिनमें इस बार की गर्मियों में अब तक 18 सैनिक शहीद हुए हैं कश्मीर घाटी से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार की एक सोची-समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले,मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे। लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की ='मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार-चढ़ाव देखे हैं। ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'।

परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही,मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है'ङ्गये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे। पहले तो अज़ीज़ वह बचाने का प्रयास करते रहे जिसका बचाव हो नहीं सकता था यानि कारगिल में पाकिस्तानी आक्रमण, लेकिन जब टेप सुनाकर पूछा गया तो इसके बाद उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था।

2016 से मोदी भी ठीक इसी तरह दुविधा का सामना कर रहे हैं। वह अच्छी तरह समझते हैं कि पाकिस्तानी की प्रकृति बदली नहीं है और इससे अधिक यह कि निकट भविष्य में बदलाव होने की संभावना नहीं है। यदि कोई गुंजाइश थी भी, वह पड़ोसी बांग्लादेश में जिस तरह सुनियोजित ढंग से गड़बड़ को भड़काकर शेख हसीना को सत्ताच्युत किया गया, उससे जाती रही इसमें जरा संदेह नहीं कि स्थिति को इस चरम तक पहुंचने देने के लिए वह खुद भी पूरी तरह से जिम्मेदार रहीं इससे मोदी को भारत के खतरनाक पड़ोस की एक स्पष्ट तस्वीर मिल जाती है। तो, क्या उन्हें 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' और उसके बाद 2019 में बालाकोट में मिसाइल हमले जैसी निवारक कार्रवाइयों वाला तरीका ही जारी रखना चाहिए भले ही यह साफ हो कि पाकिस्तान हर दिन भारत को नुकसान पहुंचाने के नए-नए तरीके खोजेगा? या फिर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी का अनुसरण करते हुए उस देश के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए, जिसके साथ बाद में उन्हें युद्ध लड़ना पड़ा था?

यह स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान की फिज़ा में हवा फिर से बदल रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर मजबूत बने हुए हैं, लेकिन यूक्रेन के मुद्दे पर रूस और अमेरिका, दोनों को,खुश रखने के लिए उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या बड़ी शक्तियां चाहती हैं कि मोदी फिर से पाकिस्तान के साथ संपर्क स्थापित करें, जिसकी व्याख्या इस्लामाबाद से मिले आमंत्रण का वक्त करता है। भले ही यह निमंत्रण चीन समर्थक संगठन के वास्ते हो, वास्तव में एससीओ (शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन) यही है,शायद अमेरिका अभी मामले की थाह लेना चाहता हो। वे निश्चित रूप से नहीं चाहेंगे कि पाकिस्तान पूरी तरह से चीन के प्रभाव तले खिंच जाए।

और फिर कश्मीर का मामला भी है। एक से अधिक बार हुई भारत-पाकिस्तान-अमेरिका ट्रैक टू बातचीत से यह खुलासा होता है कि यदि भारत जम्मू और कश्मीर में चुनाव करवाए तो शायद पाकिस्तान अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर अपनी अति कठोर आलोचना को नर्म करने और वार्ता में फिर से लौटने को तैयार हो भी जाए। अंदाजा लगाइए कि सितंबर में वहां क्या हो सकता है। तथ्य यह है कि इस्लामाबाद जाने या न जाने का फैसला मोदी को अपने विवेक के आधार पर लेना होगा और यह भी कि इसका घरेलू असर क्या रहेगा। एक तो, यह होने पर अटारी-वाघा में मोमबत्ती जलाने वाले प्रभावशाली लोगों में उनकी साख चमकनी तय है। दूसरे, मोदी जानते हैं कि अपनी स्थिति को लेकर एक आश्वस्त नेता और देश किसी से बात करने से नहीं डरते, खासकर अपने दुश्मनों से। तीसरी बात, महत्वपूर्ण राज्यों के चुनाव नजदीक हैं। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र में विपक्ष के हाथों हार जाते हैं, तो इससे भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को राजनीतिक रूप से कोने में और धकेल दिए जाने की भावना बलवती हो जाएगी।

इस तथ्य के अलावा कि अपने दुश्मन के साथ आपकी ईमानदार और आमने-सामने की बातचीत से ही वास्तविक शांति बन पाएगी, कल्पना कीजिए कि यदि मोदी पाकिस्तान चले जाएं, तो उनकी लोकप्रियता में कितनी वृद्धि होगी।

-ज्योति मल्होत्रा

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी

आज भारत तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है। कृत्रिम मेधा और रोबोटिक्स के युग का आगमन हो रहा है। हमारे अंतरिक्ष खोज अभियानों में इसरो ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उनमें महिला वैज्ञानिकों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। चंद्रयान-3 के अभियान में इसरो के प्रमुख सोमनाथ ने अपनी महिला प्रमुखों की योग्यता और दक्षता की प्रशंसा की है। लेकिन दूसरी ओर, पुरुष वर्चस्ववादी इस देश में महिलाओं के प्रति आज भी वही पुराना दकियानूसी उपभोक्तावादी दृष्टिकोण कायम है। आज भी नारी स्वतंत्रता के युग में महिला अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। वहीं आधी आबादी, अपने समकक्ष पुरुषों के बराबर योग्य होने के बावजूद अपनी उचित जगह नहीं पा रही हैं।

'मन की बात' में इस बार मोदी ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि महिलाओं पर अत्याचार अक्षम्य पाप है; दोषियों और उनका समर्थन करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। चाहे इसका इशारा पश्चिम बंगाल की ओर हो या देश के अन्य हिस्सों में हो रही अमानवीय घटनाओं और निर्भया कांड जैसे बलात्कारों की ओर हो लेकिन इसके खिलाफ देश के प्रधानमंत्री से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक किसी भी तरह की हिचकिचाहट नहीं दिखायी गई है। हाल ही में वित्तीय वर्ष 2047 तक महिला श्रम बल भागीदारी दर को वर्तमान 37 प्रतिशत से लगभग दोगुना कर 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गैर-लाभकारी संस्था 'द नज़ इंस्टीट्यूट' ने एक श्रम बल भागीदारी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पिछले वर्षों में नारी स्वतंत्रता की घोषणाओं के बावजूद महिलाओं की श्रम बल भागीदारी की गणना की गई है। रिपोर्ट बताती है, भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के कार्यबल में 40 करोड़ अतिरिक्त महिलाओं की आवश्यकता है। यह आवश्यकता आसानी से पूरी की जा सकती है क्योंकि एक हालिया सर्वे के अनुसार देश में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर हो गई है। फिर भी, उनकी

योग्यता और शिक्षा बढ़ने के बावजूद उन्हें उचित काम नहीं मिलता। वर्तमान में केवल 11 करोड़ महिलाएं देश के श्रम बल में शामिल हैं, और घर के काम करने वाली महिलाओं से लेकर खेतों तक निश्शुल्क काम करने वाली महिलाओं के लिए न तो उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है, न ही उन्हें उचित वेतन देने के बारे में सोचा जाता है।

यदि महिलाओं को भी समान दृष्टिकोण से देखा जाए तो निश्चय ही उन्हें प्राप्त नए बल, उत्साह और परिश्रम से देश की उत्पादकता बढ़ेगी, लागत घटेगी, और निवेशकों के लिए लाभ वृद्धि की संभावना बनेगी, जो सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाते हुए देश को नई तरक्की की ओर ले जाएगी। फिर भी, रिपोर्टें बताती हैं कि हकीकत में ऐसा नहीं है। श्रम बल में उचित भागीदारी की क्षमता होने बावजूद भारत में महिलाओं को काम करने का समान सम्मान और प्रतिदान नहीं मिलता। देश को 2047 तक समृद्ध-संपन्न अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य पूरा करना हो तो इसके लिए महिलाओं को उचित सम्मान, वेतन और नौकरी की सुरक्षा देना अनिवार्य होगा।

वर्तमान में पुरुषों व महिलाओं के बीच वेतन की असमानता है। शीर्ष पद प्राय: पुरुषों के पास हैं। राजनीति से लेकर आधुनिक व्यवसायों तक में पुरुषों का वर्चस्व है, जबकि महिलाओं की योग्यता और परिश्रम किसी से कम नहीं हैं।

कोविड महामारी के बाद जो पुरुष और महिला श्रमिक काम से बाहर हुए, उनके पुनर्नियोजन के आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों को फिर से काम मिल गया, लेकिन महिलाओं के लिए इस संदर्भ में विशेष प्रयास नहीं किए गए। नई रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी स्थितियों में महिलाओं की नौकरी खोने की संभावना सात गुना अधिक रहती है, और एक बार नौकरी खोने के बाद उन्हें दोबारा नौकरी मिलने की संभावना 11 गुना कम होती है। वर्ष 2019 के महामारी काल के दौरान, 2020 तक के एक साल में, काम करने वाली आधी महिलाएं कार्यबल से बाहर हो गईं, और उन्हें दोबारा नौकरियों में स्थापित करने की कोई विशेष कोशिश नहीं की गई।

महिलाएं अक्सर ऐसे क्षेत्रों में काम करती हैं जैसे कृषि और विनिर्माण, जहां पेशेवर प्रगति की संभावनाएं कम होती हैं और अकुशल भूमिकाएं बनी रहती हैं, जिससे उन्हें कम काम मिलता है। नए युग की नई व्यवस्था और प्रगति के सपनों को पूरा करने के लिए, महिलाओं को काम के संदर्भ में उनकी योग्यता के अनुसार उचित व्यवसाय देने की आवश्यकता है। जब तक महिलाओं को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बाहर आकर काम करने के लिए बढ़ावा नहीं दिया जाएगा, तब तक देश में वह प्रगति नहीं हो सकती जिसका सपना हम देख रहे हैं।

-सुरेश सेठ

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : प्रतिपदा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आज का दिन करियर और सेहत के मामले में अच्छा रहेगा। बच्चों के सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
अहंकारी न होने का प्रयास करें। आपकी कड़ी मेहनत आपको प्रमोशन दिला सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
व्यवसायी अपने काम का विस्तार करेंगे और अच्छा मुनाफा हासिल करेंगे। नाक, कान और गला की परेशानी हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
बिजनेस करने वाले लोगों को आर्थिक कमजोरी का अनुभव हो सकता है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आर्थिक स्थिति उम्मीद के मुताबिक रहेगी लेकिन कुछ अप्रत्याशित खर्चे चीजें बिगाड़ सकते हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आज करियर में कुछ उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। हाइड्रेटेड रहें और लाइफ में बैलेंस बनाने पर फोकस करें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापार अच्छा चलेगा और आप अच्छे मुनाफे की भी उम्मीद कर सकते हैं। आज आपको तारीफ मिल सकती है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
सिंगल्स को प्यार का अनुभव हो सकता है। कुछ योजनाएं गलत साबित हो सकती हैं

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मान-हानि के संकेत हैं। प्रतिष्ठा पर आंच न आने दें। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आज आपको अपनी मेंटल हेल्थ का खास ख्याल रखना चाहिए। बिजनेस करने वाले कुछ लोग अपना पार्टनर बदलना चाह रहे होंगे।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लाइफ पार्टनर के साथ कनेक्शन को स्ट्रांग बनाने के लिए आप डेट पर जा सकते हैं। कुछ समस्याएं सामने आ सकती हैं।

भाकियू (बलराज) का अनिश्चितकालीन धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों का पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाह रवैए के विरोध में 12 वें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन सोसायटी के मार्केटिंग आफिस गेट पर जारी रहा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि पैरामाउंट बिल्डर द्वारा सोसायटी के अन्दर सोसायटी निवासियों की मूलभूत सुविधाओं के स्थानों पर हो रहे अवैध निर्माणों का यूपीएसआईडीसी के सहायक प्रबन्धक रमेश चंद्र यादव और सहायक प्रबन्धक धीरज शर्मा ने 30 अगस्त को सोसायटी का सर्वे किया था जांच मै वहाँ अवैध निर्माण पाया गया और सीवर लाइन बन्द होने के कारण मल-मूत्र का पानी का भराव मिला बिल्डर की सभी कमियों को अधिकारियों ने धरनास्थल पर जनता के बीच स्वीकार किया है और कहा है कि पैरामाउंट बिल्डर ने गलतियां की है।

इस अवसर पर संगठन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष संदीप भाटी,प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर केपी सिंह, कैप्टन धर्मपाल बैंसला, सोविदंर भाटी, रत्नेश शुक्ला, राहुल भाटी, गौरव ठाकुर, एन बी जोशी, रश्मि माथुर, आशा जोशी, दर्पण रहेजा आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद में नवीन सब्जी मंडी में गरजा बुलडोजर, 27 बीघे जमीन कराई कब्जा मुक्त

गाजियाबाद। साहिबाबाद की नवीन फल और सब्जी मंडी में अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई। यहां 27 बीघा जमीन पर बने किसानों के चबूतरों को कब्जा मुक्त कराया गया। मौके पर बड़ी संख्या में पीएसी और गाजियाबाद पुलिस तैनात रही। यहां किसानों को अपने ही चबूतरों पर सब्जी और फल बेचने नहीं दिया जा रहा था। यह कार्रवाई 40 वर्ष में पहली बार की गई है।

साहिबाबाद नवीन फल एवं सब्जी मंडी में पहली बार बड़े स्तर पर अवैध कब्जे के विरूद्ध कार्रवाई की गई। यहां 27 बीघे में बने फसल बेचने के चबूतरों को कब्जा मुक्त कराया गया। मंडी से चबूतरों को खाली कराने से पहले सुरक्षा के मद्देनजर लगभग 150 पुलिस बल की तैनाती की गई। साहिबाबाद की नवीन फल और सब्जी मंडी में बागपत, बुलंदहशहर, हापुड़, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर सहित अन्य जिलों से रोजाना हजारों किसान व व्यापारी आते हैं। अतिक्रमण करने वाले कुछ दुकानदारों के पास लाइसेंस भी नहीं है। ऐसे में चबूतरों से अतिक्रमण हटने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

साहिबाबाद स्थित नवीन फल सब्जी मंडी में व्यापारियों की बार-बार की गई शिकायतों के बाद अब मंडी की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए एक बड़ी कार्रवाई की गई।

आपको बता दें कि बीते 30 अगस्त को 27 बीघे में बने फसल बेचने के चबूतरों को कब्जामुक्त कराने का आदेश मंडी निदेशक लखनऊ द्वारा जारी किया गया था। मंडी में किसानों के फसल बेचने के लिए बनाए गए चबूतरों पर कुछ दुकानदारों ने अवैध कब्जा कर लिया था। जिनके पास लाइसेंस भी नहीं है। इन दुकानदारों द्वारा कब्जा किए गए चबूतरों की वजह से किसानों को अपनी फसल बेचने में कठिनाई हो रही थी। व्यापारियों के लगातार शिकायत करने के बावजूद पहले कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी। किसानों की समस्या बढ़ती गई, और अंतत: मुख्यमंत्री को शिकायत करने के बाद कार्रवाई के आदेश आए थे।

सपा नेता की माता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे राजनेता व समाजसेवी

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव मनोज सिंह चौहान की माता श्रीमती कमला देवी पत्नी स्वर्गीय चौधरी राणा सिंह प्रधान की श्रद्धांजलि सभा/तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम गांव नंगली बाजितपुर सेक्टर-135 में 31 अगस्त को चौधरी राणा सिंह प्रधान फार्म हाउस पर हुआ जिसमें उनकी आत्मा की शांति के लिए हवन विधि-विधान से किया गया। तत्पश्चात कन्याओं को भ्रम भोज कराया गया उसके बाद क्षेत्र के लोगों द्वारा सपा नेता की माताजी की फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश व दूर दराज से लोगों के शोक संदेश पत्र भी पहुंचे।

श्रद्धांजलि सभा में जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, इटावा के स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पौत्र व जिला पंचायत के अध्यक्ष अंशुल यादव, गोंडा से जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री अयूब अंसारी, सपा के लोकसभा पूर्व प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नागर, बसपा के पूर्व प्रत्याशी लोकसभा सतबीर नागर, गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी वीर सिंह यादव, सपा के प्रदेश सचिव चौधरी जयकरण सिंह, दलबीर यादव, सुबे यादव, दिनेश प्रधान, राकेश यादव, जिला सोनीपत हरियाणा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सतपाल चौहान, सपा नोएडा विधानसभा अध्यक्ष ठाकुर बबलू चौहान, सपा के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र दुबे आदि हजारों लोग शोक सभा में सम्मिलित हुए।

समाजसेवी की माता जी को दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के समाजसेवी सुदेश भाटी की माता जी की तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों व नेताओं ने पहुंचकर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि दी। ग्रेटर नोएडा के गांव श्यौराजपुर में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुदेश भाटी के आवास पर उनकी माताजी श्रीमती जल्लोदेवी की तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे लोगों ने दिवंगत की आत्मा की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता धर्मपाल भाटी ने की तथा संचालन ब्रहमजीत अघाना ने किया। इस अवसर पर सपा के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि अपने माता-पिता को हमेशा याद करते रहना चाहिए। इस मौके पर गजेन्द्र यादव, करतार सिंह, सतपाल भाटी, प्रदीप भाटी, विक्रांत अघाना, अंकित अघाना, प्रीति भाटी, राजेन्द्र भाटी, सोनू भाटी, मोनू भाटी, मनमोहन दीवान आदि मौजूद थे।

सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल ने इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का किया दौरा

ग्रेटर नोएडा। देश के सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक आईआईटीजीएनल के इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में निवेश के लिए सिंगापुर ने भी रुचि दिखाई है। सोमवार को सिंगापुर के एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का जायजा लिया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। एनआईसीडीसी के सीईओ रजत कुमार सैनी भी प्रतिनिधिमंडल के भ्रमण के दौरान साथ रहे।

श्रीलक्ष्मी वीएस और प्रेरणा सिंह ने सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल को इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने टाउनशिप में सिंगापुर के निवेशकों से औद्योगिक निवेश कराने की इच्छा जाहिर की सिंगापुर सरकार के व्यापार और उद्योग मंत्रालय के सीनियर डायरेक्टर फ्रांसिस चोंग के नेतृत्व में सात सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल में सिंगापुर की दो मल्टीनेशनल कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने इन अधिकारियों के साथ बैठक भी की। दोनों एसीईओ ने प्रतिनिधिमंडल को इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। औद्योगिक यूनिट लगाने के लिए प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में बताया। टाउनशिप में उपलब्ध औद्योगिक भूमि की जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि वे सिंगापुर के निवेशकों को टाउनशिप में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, जिससे टाउनशिप में बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश बढ़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत आईआईटीजीएनएल की तरफ से इंटीग्रेटेड टाउनशिप करीब 750 एक? में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाई गई है। इस टाउनशिप में उद्यमी तत्काल प्लांट लगाकर काम शुरू कर सकता है। इस टाउनशिप में वर्क टू साइकिल, 24 घंटे बिजली, एलईडी लाइट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यह टाउनशिप सीसीटीवी से भी लैस होगी।

इस टाउनशिप की सुरक्षा के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक एनजी रवि कुमार ने कहा है कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ग्रेटर नोएडा, दोनों शहरों में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना पहली प्राथमिकता है। निवेशकों को हर संभव सहयोग देने की कोशिश की जा रही है। औद्योगिक निवेश से न सिर्फ इन दोनों शहरों का विकास होगा, बल्कि इस क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के तमाम अवसर भी उपलब्ध होंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

प्रदेश में 3 करोड़...

पर हम आगे बढ़ते रहे। आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा का संगठन है। दक्षिण भारत में भी हमने अच्छा प्रदर्शन किया है और मजबूत ताकत बनकर उभरे हैं।

इसके साथ ही भाजपा ने सदस्यता के लिए टोल फ्री नंबर 8800002024 और बारकोड जारी कर दिया है। इस नंबर पर मिस कॉल करके कोई भी भाजपा का सदस्य बन सकता है। कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों को एक साथ नंबर डायल कर सदस्यता दिलाई गई।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

जेवर एयरपोर्ट की...

जिसमें गृह मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनी थी कि जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा सीआईएसएफ के हवाले की जाए। यह प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा गया था। इस प्रस्ताव को गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है की सुरक्षा बल के जवानों के रहने के लिए व्यवस्था यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा की जाएगी।

कंटेनर डिपो के...

आसपास के लोगों से पूछताछ करने और मौका मुआयना करने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति की मौत सड़क हादसे के चलती हुई है। इस मामले की जांच के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से पुलिस घटना की जांच कर रही है।

दो पक्षों में...

को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे लोग नहीं माने। पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन आरोपी मौके से भाग गए। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि विजेंद्र भड़ाना, आदेश तथा सतवीर ,जगबीर आदि दो पक्षों के बीच झगड़ा हो रहा था। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेप पीड़िता को दी...

को वह अपनी केस की पैरवी के लिए कोर्ट मे अधिवक्ता के पास आई थी। उसके बाद वह कोर्ट से निकली।

पुलिस ने बताया की युवती ने आरोप लगाया है कि उसके साथ बलात्कार करने के आरोपी राहुल नागर अपने दो साथियों के साथ कोर्ट के बाहर आया, तथा उसने उसे धमकी दी कि उसके मुकदमे में वह गवाही ना दे। उसने कहा कि अगर तूने गवाही दी तो तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। तेरी अश्लील वीडियो वायरल कर दूंगा और तेरे ऊपर तेजाब फेंक दूंगा। आरोपी ने कहा कि मेरी पहुंच काफी दूर तक है। पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि इस धमकी के बाद वह काफी डरी हुई है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इको विलेज-2 सोसायटी...

डीएम मनीष कुमार वर्मा बताया कि कल रात में सूचना मिली थी कि सोसाइटी में बच्चे बीमार हुए है। जैसे सूचना मिली देर रात रात स्वास्थ्य विभाग की टीम गई थी, आज स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम को सोसाइटी में भेजा है और कैंप करने को कहा गया है सभी हेल्थ चेकअप कराया जा रहा है और कोई समस्या ना हो दवाइयां आदि दी जा रही है। इसके अलावा पानी के प्रदूषित होने की जो बात बताई जा रही है, इसके लिए भूगर्भ जल संरक्षण की टीम को भी भेजा है। जो वहां जाकर पानी का सैंपल आदि ले रहे हैं, इसके अलावा ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी से भी अनुरोध किया है कि देखें की पानी की वहां क्यों दिक्कत आ रही है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुपरटेक इको विलेज 2 सोसाइटी में पिछले दो दिनों से बच्चे बीमार हो रहे थे और सभी बच्चों को तेज बुखार, उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत थी। डॉक्टर का कहना था कि यह शायद पानी के प्रदूषण कारण हो रहा है। यह मामला उस समय ज्यादा गंभीर हो गया, जब सोसाइटी में इस बीमारी से 200 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए। जिसके बाद सोसाइटी में हड़कंप मच गया। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचे कर मामले की जांच शुरू कर दी है और लोगों को दवाइयां दी, वही एसडीएम ने भी अपनी टीम को मौके पर भेजा है।

सोसायटीवासी सुशील कुमार ने बताया कि सुपरटेक इको विलेज-2 सोसाइटी के कई टॉवरों में लोग अचानक बीमार हो रहे। सबसे ज्यादा बच्चे इससे प्रभावित हैं। टॉवर के निवासियों ने बताया कि बच्चों को तेज बुखार और दस्त हुए है। सोसाइटी के एक और निवासी आशीष श्रीवास्तव ने बताया की संडे की रात के बाद से बच्चों में वोमिटिंग और डिसेंट्री की शिकायत आने लगी थी और पेट में दर्द की शिकायत भी हुई, हमने सोचा कि बच्चों ने बाहर कुछ खा लिया होगा इसके कारण हो रहा है। लेकिन जब सोसाइटी के लोगों से बात हुई, तो यह नंबर बढ़ने लगा। सोसाइटी में करीब 200 बच्चे हैं जो इसके शिकार में हुए हैं और सबका एक ही सिम्टम्स है। 2 दिन पहले सोसाइटी वॉटर टैंक की क्लीनिंग हुई थी क्लीनिंग के बाद ही यह शिकायतें आ रही है।

एमिटी विवि में 'अंतरिक्ष अनुसंधान में भविष्य की दिशा' पर की गई चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष में ''अंतरिक्ष अनुसंधान में भविष्य की दिशा'' पर लीडरशिप टॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मिसाइल एंड स्ट्रैटजिक सिस्टम के महानिदेशक डा यू राजा बाबू, इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) के निदेशक विंग कमांडर सत्यम कुशवाहा, डीआरडीओ के टीडीएफ के एडिशनल डायरेक्टर श्री अर्जुन कुमार, डीएसओ के ग्रुप कैप्टन विष्णु वाजपेयी और जॉनेट टेक्नोलॉजीस के सीईओ श्री जॉन लिविंगस्टोन ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा एम एस प्रसाद और इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिप्टी डीन डा के एम सोनी ने अतिथियों का स्वागत किया।

मिसाइल एंड स्ट्रैटजिक सिस्टम के महानिदेशक डा यू राजा बाबू ने कहा कि मानव मन में सदैव अंतरिक्ष को लेकर उत्सुकता और ज्ञिज्ञासा बनी रही है हम आसमान की तरफ देखते है और तारो के विश्व में नई संभावनाओं को तलाशते है। डा बाबू ने कहा कि अंतरिक्ष में ब?ते कदमों ने हमारी जानकारी को ब?ाया है हमने अन्य ग्रहों के वातावरण और गैलेक्सी को भी समझा है। वर्तमान युग अंतरिक्ष का युग है और सैटेलाइट लगभग हर क्षेत्र पर्यावरण, नैविगेशन, सुरक्षा और डिफेंस आदि में सहायक हो रही है। कई देश ना केवल सुरक्षा हेतु बल्कि युद्ध में सैटेलाइट का उपयोग कर रहे है जिसका उदाहरण रशिया और युक्रेन का युद्ध है। आज अंतरिक्ष अनुसंधान सबसे महत्वपूर्ण विषयों में है जिसमें युवाओं की रूचि ब? रही है और सबसे अधिक शोधकर्ता अकादमिक क्षेत्र से आ रहै है, अनुसंधान के लिए सरकार और निजी क्षेत्रों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है। स्पेस वाहन की लांचिग और कक्षीय मलबा को कम करने के लिए इसरों द्वारा निगरानी की जा रही है, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्रो में कार्य करने वाले छात्रों को इन विषयों पर कार्य करना चाहिए। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को सफल बनाने के लिए हम सभी का योगदान आवश्यक है।

आईएसपीए के निदेशक विंग कमांडर सत्यम कुशवाहा ने कहा कि इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) को भारत मे निजी अंतरिक्ष उद्योग के सफल सहयोगात्मक विकास के लिए स्थापित किया गया है। हम पूरे भारतीय 'अतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के बीच अंतरिक्ष से संबधित जानकारी, सूचना और प्रौद्योगिकी के आदान प्रदान के लिए कार्य करते है ताकि भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सके। देश वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यस्था में तेजी से आगे बढ रहा है और तकनीक अनुंसधान ही सफलता का मुख्य मंत्र है।

डीआरडीओ के टीडीएफ के एडिशनल डायरेक्टर श्री अर्जुन कुमार ने कहा कि किसी भी अनुसंधान, प्रोजेक्ट के लिए वित्त सहायता एक महत्वपूर्ण आधार होता है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने हेतु टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड की स्थापना की गई है। डीआरडीओ द्वारा रक्षा डत्पादन, सेनाओं की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए क्रियान्वित किया जाता है। श्री कुमार ने कहा कि डीआरडीओं, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में तकनीकी के विकास के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा एम एस प्रसाद ने कहा कि एमिटी, इसरो व अन्य सरकारी एंजेसियों द्वारा संचालित किये जा अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करके राष्ट्र निर्माण में सहयोग दे रहा है। आज चंद्रमा में रॉकेट का लैंड करना और अंतरिक्ष में एक उपलब्धि पृथ्वी पर लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। एमिटी, अंतरिक्ष के क्षेत्र में कार्य करने वाले कुशल मानव संसाधन तैयार कर रही है और भारत में चल रहे अंतरिक्ष योजना कार्यक्रमों में सहभागीता दे रही है।

इस अवसर पर डीएसओ के ग्रुप कैप्टन विष्णु वाजपेयी और जॉनेट टेक्नोलॉजीस के सीईओ श्री जॉन लिविंगस्टोन, इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिप्टी डीन डा के एम सोनी और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डा शिवानी वर्मा ने अपने विचार रखे।

यामाहा ने भोपाल में 'द कॉल ऑफ ब्लू' वीकेंड का आयोजन किया

मुंबई, एजेंसी। इंडिया यामाहा मोटर प्रा. लि. (आईवायएम) ने अपने शानदार ब्रैंड कैम्पेन के तहत आज भोपाल में ''द कॉल ऑफ द ब्लू'' (सीओटीबी) वीकेंड एक्टिविटी की मेजबानी है। भोपाल के पटेल नगर का आकांक्षा गार्डन रोमांच से भर गया, जब यामाहा के 650 से ज्यादा फैंस इकट्ठे होकर इस बेहतरीन आयोजन का हिस्सा बने। इस आयोजन ने यामाहा के फैंस और राइडर्स को यादगार अनुभव दिया, जिसमें ब्रैंड की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस और सेफ्टी फीचर्स वाले प्रीमियम टू-व्हीलर्स थे। इसके साथ ही, जिमखाना राइड और वूडन प्लांक चैलेंज जैसी गतिविधियों में लोगों ने अपना कौशल दिखाया और उसे बेहतर बनाने के लिये एक्सपर्ट टिप्स भी लिये। संवाद से भरपूर इस प्लेटफॉर्म ने उन लोगों के बीच दोस्ती और कम्युनिटी जैसी भावना जगा दी। वह यामाहा और मोटरसाइकलिंग के जुनून से एकजुट हो गये। अपनी पसंदीदा यामाहा बाइक्स को देखने के साथ-साथ उन्होंने कई तरह के अनुभव लिये, जैसे कि ब्रैंड की खास एसेसरीज और एपरेल को एक्स्प्लोर किया। उन्होंने बाइकर्स कैफे के माहौल का मजा भी लिया। एक और अनोखा फीचर था 'गेमिंग ज़ोन', जहाँ आगंतुकों ने रोमांचक मोटोजीपी रेस को वर्चुअल तरीके से खेला। ऐसे में इवेंट ज्यादा रोमांचक और दिलचस्प हो गया। कंपनी पूरे साल भारत में कई जगहों पर इस तरह के आयोजन जारी रखेगी। यह आयोजन ग्राहकों की जीवनशैली के हिस्से के तौर पर राइडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिये ब्रैंड की प्रतिबद्धता पर जागरूकता फैलाएंगे। सप्ताहांत की गतिविधि ''द कॉल ऑफ द ब्लू'' के साथ यामाहा का लक्ष्य भारत में ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ जुड़ना और अपनी रोमांचक उत्पाद श्रृंखला का प्रचार करना है।

शेयर बांटने की रिकॉर्ड डेट का ऐलान, 5 साल में 1000 प्रतिशत से ज्यादा उछला शेयर का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। फूड एंड बेवरेज दिग्गज पेप्सिको लिमिटेड के सबसे बड़े बॉटलिंग पार्टनर्स में से एक वरुण बेवरेजेज ने एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने अपने शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) की रिकॉर्ड डेट अनाउंस की है। वरुण बेवरेजेज ने 30 जुलाई को अपने तिमाही नतीजों के साथ शेयरों के बंटवारे की घोषणा की थी। वरुण बेवरेजेज के शेयर सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 2 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 1533.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले 5 साल में 1000 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वरुण बेवरेजेज ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए 12 सितंबर 2024 की रिकॉर्ड डेट फिक्स की है। वरुण बेवरेजेज ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने 5 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर को 2 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयरों में बांटेगी। पिछले साल कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयरों में बांटने का फैसला किया था। वरुण बेवरेजेज के शेयरों में पिछले 5 साल में 1000 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2019 को 135.63 रुपये पर थे। वरुण बेवरेजेज के शेयर 2 सितंबर 2024 को बीएसई में 1533.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 830 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। इस अवधि में वरुण बेवरेजेज के शेयर 164.40 रुपये से बढ़कर 1530 रुपये के पार जा पहुंचे हैं।

अगस्त में सुस्त पड़ी उत्पादन गतिविधि, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.5 पर आई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के मैन्यूफैक्चरिंग की वृद्धि दर अगस्त में धीमी रही क्योंकि प्रोडक्शन व बिक्री जनवरी के बाद से सबसे कम दर से बढ़ी, जबकि प्रतिस्पर्धी दबाव तथा मुद्रास्फीति की चिंताओं ने कारोबारी विश्वास को प्रभावित किया। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

क्या है डिटेल

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक स (पीएमआई) अगस्त में 57.5 रहा, जो जुलाई में 58.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' अगस्त में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार जारी रहा, हालांकि विस्तार की गति थोड़ी धीमी रही। नए ठेकों और उत्पादन में मुख्य रुझान देखने को मिला, हालांकि कुछ कारोबारियों ने मंदी के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को एक मुख्य वजह बताया।''

सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नए कारोबार में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन विस्तार की गति सात महीने के निचले स्तर पर आ गई। इसी तरह, नए निर्यात ऑर्डर 2024 कैलेंडर वर्ष की शुरुआत के बाद से सबसे कम गति से बढ़े। कीमतों के मोर्चे पर, वस्तु उत्पादकों को अगस्त के दौरान लागत दबाव में कमी से लाभ हुआ।

सर्वेक्षण के अनुसार, कारोबारी आत्मविश्वास में कमी आई है जो अप्रैल 2023 के बाद से सबसे कम निचले स्तर पर है। भंडारी ने कहा, '' प्रतिस्पर्धी दबावों और मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के कारण अगस्त में वर्ष के लिए कारोबारी दृष्टिकोण में थोड़ी नरमी आई है।'' इस बीच, शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि अप्रैल-जून 2024-25 में घटकर 6.7 प्रतिशत रह गई। यह 15 महीने में सबसे कम है। इसकी मुख्य वजह कृषि व सेवा क्षेत्र का खराब प्रदर्शन रहा।

अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.2 प्रतिशत बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति, ह्युंडई और टाटा की बिक्री में गिरावट; मांग में कमी के कारण ऑटो कंपनियों ने आपूर्ति में कटौती की

नईदिल्ली, एजेंसी। गाड़ियों की बिक्री के लिहाज से अगस्त का महीना वाहन कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहा है। अग्रणी वाहन कंपनियों मारुति सुजुकी, ह्युंडई और टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में गिरावट आई है। इन कंपनियों ने मांग में गिरावट के कारण वाहनों की आपूर्ति में कटौती की है और डीलर स्तर पर भंडार घटाया है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की यात्री वाहनों की थोक घरेलू बिक्री अगस्त में आठ फीसदी घटकर 1,43,075 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 1,56,114 वाहन बेचे थे। प्रतिद्वंद्वी ह्युंडई की घरेलू बिक्री भी आठ फीसदी गिरकर 49,525 इकाई रह गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की थोक बिक्री तीन फीसदी घटकर 44,142 इकाई रही।

किआ इंडिया की अगस्त में थोक बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 22,523 इकाई पहुंच गई। अगस्त, 2023 में कंपनी ने 19,219 गाड़ियां बेची थीं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कुल थोक बिक्री 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 30,879 इकाई पहुंच गई। इसमें घरेलू बिक्री व निर्यात दोनों का आंकड़ा शामिल है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 4,571 इकाई पहुंच गई। दोपहिया वाहन क्षेत्र में टीवीएस मोटर कंपनी की अगस्त में कुल बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 3,91,588 इकाई हो गई। अगस्त, 2023 में कंपनी ने डीलरों को 3,45,848 इकाइयां भेजी थीं।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव, 2283 सस्ती हुई सिल्वर, 71437 पर आया गोल्ड का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के भाव में बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सोना आज 521 रुपये तो चांदी 2283 रुपये सस्ती हुई है। आज 24 कैरेट सोना 71437 रुपये खुला तो चांदी 2283 रुपये प्रति किलो ही सस्ती होकर 82736 रुपये पर खुली। सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगे हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर आ रहा हो। आज 23 कैरेट गोल्ड का रेट 519 रुपये टूटकर 71151 पर आ गया है। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव 478 रुपये सस्ता होकर 65436 पर है। 18 कैरेट के रेट में 391 रुपये की कमी हुई है और आज यह 53578 प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। 14 कैरेट गोल्ड का भाव आज 304 रुपये गिरकर 41791 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 24 कैरेट सोने का रेट अब जीएसटी के साथ 73580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का जीएसटी के साथ भाव 73285 रुपये है। इसमें 3 पर्सेंट जीएसटी के हिसाब से 2134 रुपये और जुड़ा गया है। अगर 22 कैरेट गोल्ड के रेट की बात करें तो आज यह जीएसटी के साथ 67399 रुपये पर पहुंच गया है। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 1607 रुपये जीएसटी के जुड़ने के बाद 55185 रुपये हो गई है। इस पर अभी ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स का मुनाफा नहीं जुड़ा है। एक किलो चांदी की जीएसटी समेत कीमत 85218 रुपये पर पहुंच गई है।

858 करोड़ का काम मिलने के बाद शेयरों को लगे पंख, 52 वीक हाई पर भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन ह्यूम पाइप कोरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज 11 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक नए वर्क ऑर्डर के बाद दर्ज की गई है। ऑर्डर का साइज इतना बड़ा है कि यह कंपनी के मार्केट कैप का एक तिहाई है।

बीएसई में आज कंपनी के शेयर 598.05 रुपये के लेवल पर खुले थे। इसके कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 613.15 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। इस स्तर पर पहुंचने के बाद इंडियन ह्यूम पाइप के शेयरों में नरमी देखने को मिली है। 12.30 बजे कंपनी के शेयर 565 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहे थे। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 211.90 रुपये है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि उन्हें 858.88 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के टापी इरिगेशन डेवलपमेंट कारपोरेशन से मिला है। कंपनी का यह काम 24 महीने यानी 2 साल में पूरा करना है। इसका मेंटनेंस 5 साल तक करना है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 2,992.06 करोड़ रुपये का है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

कंपनियों को मिला नवरत्न का दर्जा तो खरीदने के लिए टूट पड़े निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। 30 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 4 पीएसयू कंपनी को 'नवरत्न' का दर्जा दिया है। ये 4 कंपनियां रेलटेल, एसजेवीएन, सोलर एनर्जी कारपोरेशन और एनएचपीसी है। इन कंपनियों में 3 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट हैं। ये 3 कंपनियां रिटेल, एसजेवीएन और एनएचपीसी है। आज इन कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

1-रिटेल के शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी

बीएसई में कंपनी के शेयर आज शुक्रवार के मुकाबले तेजी के साथ 510.10 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 515.60 रुपये के लेवल पर पहुंचने में सफल रहा था। हालांकि, स्टॉक की कीमतों में फिर नरमी देखने को मिली है। पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

2-एसजेवीएन लिमिटेड

कंपनी के शेयर आज 139.65 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 140 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। स्टॉक 10.30 मिनट पर 136 रुपये के जोन में था। कंपनी में सरकार और एलआईसी की हिस्सेदारी मिलाकर 81 प्रतिशत से अधिक है। इस कंपनी में केंद्र सरकार और हिमाचल सरकार की हिस्सेदारी है।

3-एनएचपीसी

बीएसई में आज कंपनी के शेयर 96.20 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी के शेयर एक बार फिर से 100 रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 4.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 100.50 रुपये रहा है। इस पीएसयू स्टॉक का 52 वीक हाई 118.45 रुपये और 52 वीक लो लेवल 48.48 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 98,220.35 रुपये है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 94 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी में एलआईसी के साथ सरकार की कुल हिस्सेदारी 67.40 प्रतिशत है।

सैमसंग ने भारतीय ग्राहकों के लिए 10 बड़े साइज की कस्टम एआई वॉशिंग मशीनें लॉन्च की

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 10 बड़ी साइज की फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों की नई रेंज लॉन्च की है। ये एआई-संचालित मशीनें भारतीय ग्राहकों के लिए कपड़े धोने को और भी आसान बना देती हैं, जिससे कपड़े धोना अब एक आसान काम बन गया है।

नई वॉशिंग मशीनें 12 किलोग्राम के बड़े साइज में आती हैं, जिससे भारतीय ग्राहक एक बार में ज्यादा कपड़े धो सकते हैं। इसमें कंबल, पर्दे और साड़ियाँ जैसे बड़े कपड़े भी आसानी से धोए जा सकते हैं। सैमसंग इंडिया की नई 12 किलोग्राम एआई वॉशिंग मशीनों की कीमत 52,990 रुपये से शुरू होती है। ये आधुनिक वॉशिंग मशीनें फ्लैट ग्लास डोर, बेस्पोक डिज़ाइन और एआई वॉश, एआई एनर्जी मोड, एआई कंट्रोल और एआई इकोबबल जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ आती हैं।

सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, ''भारतीय ग्राहक अब ऐसे डिजिटल उपकरणों को पसंद करते हैं जो बिना ज्यादा मेहनत के बेहतर धुलाई कर सकें और साथ ही बिजली और समय की भी बचत करें। हमारी नई 12 किलोग्राम एआई-से चलने वाली वाशिंग मशीन उपभोक्ताओं को एक बार में ज्यादा कपड़े धोने की सुविधा देती है, जिससे उन्हें कम मेहनत में बेहतर परिणाम मिलते हैं। फ्रंट-लोड बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनों की नई रेंज सरल और प्रभावी धुलाई प्रदान करती है। प्रीमियम बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीन रेंज के साथ, हमारा उद्देश्य उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है जो प्रदर्शन, सुविधा और स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं, और बड़ी क्षमता वाली वॉशिंग मशीनें पसंद करते हैं।''

व्यक्तिगत लॉन्ड्री सुविधा के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाते हुए, सैमसंग की बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनें स्मार्टथिंग्स ऐप के साथ मिलकर काम करती हैं और 2.8 मिलियन डेटा पॉइंट्स का इस्तेमाल करके यूजर्स की धुलाई की जरूरतों के हिसाब से काम करती हैं। यह मशीन हर धुलाई में काफी ऊर्जा बचाती है। एआई एनर्जी मोड की वजह से 70त्न तक ऊर्जा की बचत होती है, जिससे बिजली का बिल भी कम हो जाता है।

एआई वॉश फीचर कपड़ों के वजन और कोमलता को पहचानने के लिए उन्नत सेंसिंग का उपयोग करता है, और गंदगी के स्तर को मापकर सही मात्रा में पानी और डिटर्जेंट का उपयोग करता है, जिससे कपड़े को कोमल धुलाई मिलती है। ऑटो डिस्पेंस फीचर अपने आप सही मात्रा में डिटर्जेंट और फैब्रिक सॉफ्नर डालता है, जिससे आपको अंदाजा लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। स्मार्ट थिंक ऐप के एआई एनर्जी मोड के साथ, आप अपने घरेलू उपकरणों की ऊर्जा खपत को प्रबंधित कर सकते हैं और पैसे बचा सकते हैं। यह फीचर आपकी दैनिक, साप्ताहिक, और मासिक बिजली की खपत की निगरानी करता है और मासिक ऊर्जा बिल का अनुमान भी लगाता है। अगर बिल तय सीमा से ज्यादा हो जाए, तो ऐप ऊर्जा-बचत मोड को चालू कर देता है। इसके अलावा स्मार्टथिंग्स क्लोथिंग केयर के साथ, उपयोगकर्ता अपनी जरूरत के हिसाब से धुलाई के कस्टम चक्र बना सकते हैं और उन्हें सेव कर सकते हैं। स्मार्टथिंग्स गोइंग आउट मोड से आप दूर से ही कपड़े धोने का आदेश दे सकते हैं, बिना शेड्यूल की चिंता किए। अगर आप घर से बाहर जाते हैं और अपने तय किए हुए जियोफेंस से बाहर निकलते हैं

बच्चे के जन्म के साथ खर्चों का बनाएं बजट, कमाई व अन्य वित्तीय जिम्मेदारियों का आकलन करें

नईदिल्ली, एजेंसी। माता-पिता बनना सबसे रोमांचकारी है। हालांकि, कुछ लोगों में यह उतनी खुशियां वाला पल नहीं होता है। उदाहरण के तौर पर, कुछ महीने बाद हमारा किरायेदार अमित पिता बनने वाला था, जिसके चेहरे पर इसकी खुशी नहीं थी। जब अमित व उनकी पत्नी अंजलि ने यह खबर दी, तो हम उनके लिए खुश थे। अमित पहले तो बात करने से झिझक रहे थे, लेकिन जब उसकी और मेरी पत्नी कुछ बातचीत के लिए दूसरे कमरे में गईं तो उन्होंने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह नए खर्चों को लेकर तनाव में हैं। इससे वे दो बेडरूम की जगह एक बेडरूम वाला घर देख रहे हैं। मैं नई वित्तीय जिम्मेदारियों को लेकर उनकी चिंताओं को समझ सकता था।

मैंने उनसे एक चाचा के रूप में कहा, उनकी चिंताएं बिल्कुल सही थीं। उन्हें इस पर स्पष्ट रूप से सोचने की जरूरत है। भारतीय परिवार अक्सर अपने जीवन में दो घटनाओं को लेकर अतिशयोक्ति करते हैं। इनमें बच्चों का जन्म और विवाह। घर खरीदने के बाद यही दोनों सबसे बड़े खर्च होते हैं। जब बच्चे के जन्म की बात आती है, तो खर्च इसलिए अधिक होता है, क्योंकि कोई उसके लिए योजना नहीं बनाता है। आजकल गर्भधारण की पुष्टि करने वाले पहले टेस्ट से ही बच्चे का जन्म महंगा हो गया है। डॉक्टर के पास नियमित जाना, स्वस्थ प्रसव के लिए बेहतर आहार व मूड में बदलाव चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। दोहरी आय वाले परिवारों के लिए अनिश्चित काल के लिए एक आय कम होने की आशंका वित्तीय चिंताओं को बढ़ा सकती है।

नए माता-पिता बनने वाले नए लोगों को खर्च ज्यादा नहीं बढ़ाना चाहिए। जरूरी खर्चों पर ही ध्यान देना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि पत्नी गर्भावस्था के बाद भी काम करती रहे। अपने जीवन को सिर्फ माता-पिता बनने तक ही सीमित न रखें। यदि आप आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तो माता-पिता, भाई-बहनों और करीबी दोस्तों से सहायता लें। उदाहरण के लिए, आप अपने माता-पिता से प्रसव और अस्पताल के खर्चे देने को कह सकते हैं। भाई-बहन से नामकरण समारोह के लिए पैसे ले सकते हैं। दोस्तों से बच्चे के जन्म का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कह सकते हैं। इस तरह वे यह भी समझ पाएंगे कि वे किस लिए योगदान दे रहे हैं और यह नहीं सोचेंगे कि सारा पैसा कहां जा रहा है। बच्चे के स्कूल शुरू होने से पहले अगले कुछ वर्षों में होने वाले सभी खर्चों के लिए अभी से शुरुआत करें। यदि यह समझ में आता है, तो प्रारंभिक चरण में भावनात्मक और वित्तीय सहायता के लिए अपने माता-पिता को साथ चलने के लिए कहें। यदि यह विकल्प नहीं है, तो एक विकल्प के रूप में पूर्णकालिक नौकरानी पर विचार करें। अब, बड़े खर्चों पर ध्यान दें। पत्नी के साथ बैठें। वित्तीय स्थिति को जांचें। योजना बनाएं कि आप जीवन में क्या जोड़ना चाहते हैं।

परिवार से बच्चे को मिलने वाले उपहारों का उपयोग कॉलेज की शिक्षा के लिए निवेश में करना बेहतर होता है। उनके स्कूल जाने से पहले ही कॉलेज के लिए बचत करने के लिए एक फंड शुरू करने से यह सुनिश्चित होगा कि आप योजना के प्रति प्रतिबद्ध हैं। मैंने अमित को फ्लैट में रहना जारी रखने के लिए कहा और उनके नवजात शिशु को उपहार के रूप में वर्ष के लिए किराया वृद्धि माफ कर दी। डे-केयर और कुछ साल बाद स्कूल में प्रवेश जैसे खर्चों के लिए बचत शुरू करें। बचत और निवेश योजना आपको इस लक्ष्य के लिए फंड बनाने में मदद कर सकती है।

600 प्रतिशत चढ़ गया यह छोटकू शेयर, विजय केडिया ने खरीदे हैं इसके 12000000 शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 8 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग ने पिछले दिनों रेल विकास निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। इस स्ब्श के तहत दोनों कंपनियां डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट्स में हाइड्रो, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए मिलकर बोली लगाएंगी। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया का पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव है।

PATEL ENGINEERING WORKS

600 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं पटेल इंजीनियरिंग के शेयर : स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 8.51 रुपये पर थे। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 2 सितंबर 2024 को 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 320 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 14.33 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 2 साल में कंपनी के शेयरों में 150 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 79 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 41.99 रुपये है। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। विजय केडिया ने अपनी फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए पटेल इंजीनियरिंग में इनवेस्टमेंट किया है। विजय केडिया के पास पटेल इंजीनियरिंग के 12000000 शेयर या कंपनी में 1.42 पर्सेंट हिस्सेदारी है। अगर म्यूचुअल फंड्स की बात करें तो छ्रूरू फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड (छ्रूरू फ्लेक्सिकैप फंड) के पास कंपनी के 8825516 शेयर हैं।

यामाहा ने भोपाल में 'द कॉल ऑफ ब्लू' वीकेंड का आयोजन किया

मुंबई, एजेंसी। इंडिया यामाहा मोटर प्रा. लि. (आईवायएम) ने अपने शानदार ब्रैंड कैम्पेन के तहत आज भोपाल में ''द कॉल ऑफ द ब्लू'' (सीओटीबी) वीकेंड एक्टिविटी की मेजबानी है। भोपाल के पटेल नगर का आकांक्षा गार्डन रोमांच से भर गया, जब यामाहा के 650 से ज्यादा फैंस इकट्ठे होकर इस बेहतरीन आयोजन का हिस्सा बने। इस आयोजन ने यामाहा के फैंस और राइडर्स को यादगार अनुभव दिया, जिसमें ब्रैंड की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस और सेफ्टी फीचर्स वाले प्रीमियम टू-व्हीलर्स थे। इसके साथ ही, जिमखाना राइड और वूडन प्लांक चैलेंज जैसी गतिविधियों में लोगों ने अपना कौशल दिखाया और उसे बेहतर बनाने के लिये एक्सपर्ट टिप्स भी लिये। संवाद से भरपूर इस प्लेटफॉर्म ने उन लोगों के बीच दोस्ती और कम्युनिटी जैसी भावना जगा दी। वह यामाहा और मोटरसाइकलिंग के जुनून से एकजुट हो गये। अपनी पसंदीदा यामाहा बाइक्स को देखने के साथ-साथ उन्होंने कई तरह के अनुभव लिये, जैसे कि ब्रैंड की खास एसेसरीज और एपरेल को एक्स्प्लोर किया। उन्होंने बाइकर्स कैफे के माहौल का मजा भी लिया। एक और अनोखा फीचर था 'गेमिंग ज़ोन', जहाँ आगंतुकों ने रोमांचक मोटोजीपी रेस को वर्चुअल तरीके से खेला। ऐसे में इवेंट ज्यादा रोमांचक और दिलचस्प हो गया। कंपनी पूरे साल भारत में कई जगहों पर इस तरह के आयोजन जारी रखेगी। यह आयोजन ग्राहकों की जीवनशैली के हिस्से के तौर पर राइडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिये ब्रैंड की प्रतिबद्धता पर जागरूकता फैलाएंगे। सप्ताहांत की गतिविधि ''द कॉल ऑफ द ब्लू'' के साथ यामाहा का लक्ष्य भारत में ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ जुड़ना और अपनी रोमांचक उत्पाद श्रृंखला का प्रचार करना है।

शेयर बांटने की रिकॉर्ड डेट का ऐलान, 5 साल में 1000 प्रतिशत से ज्यादा उछला शेयर का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। फूड एंड बेवरेज दिग्गज पेप्सिको लिमिटेड के सबसे बड़े बॉटलिंग पार्टनर्स में से एक वरुण बेवरेजेज ने एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने अपने शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) की रिकॉर्ड डेट अनाउंस की है। वरुण बेवरेजेज ने 30 जुलाई को अपने तिमाही नतीजों के साथ शेयरों के बंटवारे की घोषणा की थी। वरुण बेवरेजेज के शेयर सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 2 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 1533.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले 5 साल में 1000 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वरुण बेवरेजेज ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए 12 सितंबर 2024 की रिकॉर्ड डेट फिक्स की है। वरुण बेवरेजेज ने पहले घोषणा की थी कि वह अपने 5 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर को 2 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयरों में बांटेगी। पिछले साल कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयरों में बांटने का फैसला किया था। वरुण बेवरेजेज के शेयरों में पिछले 5 साल में 1000 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2019 को 135.63 रुपये पर थे। वरुण बेवरेजेज के शेयर 2 सितंबर 2024 को बीएसई में 1533.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 830 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। इस अवधि में वरुण बेवरेजेज के शेयर 164.40 रुपये से बढ़कर 1530 रुपये के पार जा पहुंचे हैं।

अगस्त में सुस्त पड़ी उत्पादन गतिविधि, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.5 पर आई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के मैन्यूफैक्चरिंग की वृद्धि दर अगस्त में धीमी रही क्योंकि प्रोडक्शन व बिक्री जनवरी के बाद से सबसे कम दर से बढ़ी, जबकि प्रतिस्पर्धी दबाव तथा मुद्रास्फीति की चिंताओं ने कारोबारी विश्वास को प्रभावित किया। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

क्या है डिटेल

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक स (पीएमआई) अगस्त में 57.5 रहा, जो जुलाई में 58.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''अगस्त में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार जारी रहा, हालांकि विस्तार की गति थोड़ी धीमी रही। नए ठेकों और उत्पादन में मुख्य रुझान देखने को मिला, हालांकि कुछ कारोबारियों ने मंदी के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को एक मुख्य वजह बताया।''

सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नए कारोबार में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन विस्तार की गति सात महीने के निचले स्तर पर आ गई। इसी तरह, नए निर्यात ऑर्डर 2024 कैलेंडर वर्ष की शुरुआत के बाद से सबसे कम गति से बढ़े। कीमतों के मोर्चे पर, वस्तु उत्पादकों को अगस्त के दौरान लागत दबाव में कमी से लाभ हुआ।

सर्वेक्षण के अनुसार, कारोबारी आत्मविश्वास में कमी आई है जो अप्रैल 2023 के बाद से सबसे कम निचले स्तर पर है। भंडारी ने कहा, ''प्रतिस्पर्धी दबावों और मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के कारण अगस्त में वर्ष के लिए कारोबारी दृष्टिकोण में थोड़ी नरमी आई है।'' इस बीच, शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि अप्रैल-जून 2024-25 में घटकर 6.7 प्रतिशत रह गई। यह 15 महीने में सबसे कम है। इसकी मुख्य वजह कृषि व सेवा क्षेत्र का खराब प्रदर्शन रहा।

अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.2 प्रतिशत बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति, ह्युंडई और टाटा की बिक्री में गिरावट; मांग में कमी के कारण ऑटो कंपनियों ने आपूर्ति में कटौती की

नईदिल्ली, एजेंसी। गाड़ियों की बिक्री के लिहाज से अगस्त का महीना वाहन कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहा है। अग्रणी वाहन कंपनियों मारुति सुजुकी, ह्युंडई और टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में गिरावट आई है। इन कंपनियों ने मांग में गिरावट के कारण वाहनों की आपूर्ति में कटौती की है और डीलर स्तर पर भंडार घटाया है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की यात्री वाहनों की थोक घरेलू बिक्री अगस्त में आठ फीसदी घटकर 1,43,075 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 1,56,114 वाहन बेचे थे। प्रतिद्वंद्वी ह्युंडई की घरेलू बिक्री भी आठ फीसदी गिरकर 49,525 इकाई रह गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की थोक बिक्री तीन फीसदी घटकर 44,142 इकाई रही।

किआ इंडिया की अगस्त में थोक बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 22,523 इकाई पहुंच गई। अगस्त, 2023 में कंपनी ने 19,219 गाड़ियां बेची थीं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कुल थोक बिक्री 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 30,879 इकाई पहुंच गई। इसमें घरेलू बिक्री व निर्यात दोनों का आंकड़ा शामिल है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 4,571 इकाई पहुंच गई। दोपहिया वाहन क्षेत्र में टीवीएस मोटर कंपनी की अगस्त में कुल बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 3,91,588 इकाई हो गई। अगस्त, 2023 में कंपनी ने डीलरों को 3,45,848 इकाइयां भेजी थीं।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव, 2283 सस्ती हुई सिल्वर, 71437 पर आया गोल्ड का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के भाव में बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सोना आज 521 रुपये तो चांदी 2283 रुपये सस्ती हुई है। आज 24 कैरेट सोना 71437 रुपये खुला तो चांदी 2283 रुपये प्रति किलो ही सस्ती होकर 82736 रुपये पर खुली। सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगे हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर आ रहा हो। आज 23 कैरेट गोल्ड का रेट 519 रुपये टूटकर 71151 पर आ गया है। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव 478 रुपये सस्ता होकर 65436 पर है। 18 कैरेट के रेट में 391 रुपये की कमी हुई है और आज यह 53578 प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। 14 कैरेट गोल्ड का भाव आज 304 रुपये गिरकर 41791 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 24 कैरेट सोने का रेट अब जीएसटी के साथ 73580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का जीएसटी के साथ भाव 73285 रुपये है। इसमें 3 पर्सेंट जीएसटी के हिसाब से 2134 रुपये और जुड़ा गया है। अगर 22 कैरेट गोल्ड के रेट की बात करें तो आज यह जीएसटी के साथ 67399 रुपये पर पहुंच गया है। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 1607 रुपये जीएसटी के जुड़ने के बाद 55185 रुपये हो गई है। इस पर अभी ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स का मुनाफा नहीं जुड़ा है। एक किलो चांदी की जीएसटी समेत कीमत 85218 रुपये पर पहुंच गई है।

858 करोड़ का काम मिलने के बाद शेयरों को लगे पंख, 52 वीक हाई पर भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन ह्यूम पाइप कोरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज 11 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक नए वर्क ऑर्डर के बाद दर्ज की गई है। ऑर्डर का साइज इतना बड़ा है कि यह कंपनी के मार्केट कैप का एक तिहाई है।

बीएसई में आज कंपनी के शेयर 598.05 रुपये के लेवल पर खुले थे। इसके कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 613.15 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। इस स्तर पर पहुंचने के बाद इंडियन ह्यूम पाइप के शेयरों में नरमी देखने को मिली है। 12.30 बजे कंपनी के शेयर 565 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहे थे। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 211.90 रुपये है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि उन्हें 858.88 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के टापी इरिगेशन डेवलपमेंट कारपोरेशन से मिला है। कंपनी का यह काम 24 महीने यानी 2 साल में पूरा करना है। इसका मेंटनेंस 5 साल तक करना है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 2,992.06 करोड़ रुपये का है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

कंपनियों को मिला नवरत्न का दर्जा तो खरीदने के लिए टूट पड़े निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। 30 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 4 पीएसयू कंपनी को 'नवरत्न' का दर्जा दिया है। ये 4 कंपनियां रेलटेल, एसजेवीएन, सोलर एनर्जी कारपोरेशन और एनएचपीसी है। इन कंपनियों में 3 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट हैं। ये 3 कंपनियां रिटेल, एसजेवीएन और एनएचपीसी है। आज इन कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

1-रिटेल के शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी

बीएसई में कंपनी के शेयर आज शुक्रवार के मुकाबले तेजी के साथ 510.10 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 515.60 रुपये के लेवल पर पहुंचने में सफल रहा था। हालांकि, स्टॉक की कीमतों में फिर नरमी देखने को मिली है। पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

2-एसजेवीएन लिमिटेड

कंपनी के शेयर आज 139.65 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 140 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। स्टॉक 10.30 मिनट पर 136 रुपये के जोन में था। कंपनी में सरकार और एलआईसी की हिस्सेदारी मिलाकर 81 प्रतिशत से अधिक है। इस कंपनी में केंद्र सरकार और हिमाचल सरकार की हिस्सेदारी है।

3-एनएचपीसी

बीएसई में आज कंपनी के शेयर 96.20 रुपये के लेवल पर खुले थे। कंपनी के शेयर एक बार फिर से 100 रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी का इंट्रा-डे हाई 4.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 100.50 रुपये रहा है। इस पीएसयू स्टॉक का 52 वीक हाई 118.45 रुपये और 52 वीक लो लेवल 48.48 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 98,220.35 रुपये है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 94 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी में एलआईसी के साथ सरकार की कुल हिस्सेदारी 67.40 प्रतिशत है।

सैमसंग ने भारतीय ग्राहकों के लिए 10 बड़े साइज की कस्टम एआई वॉशिंग मशीनें लॉन्च की

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 10 बड़ी साइज की फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों की नई रेंज लॉन्च की है। ये एआई-संचालित मशीनें भारतीय ग्राहकों के लिए कपड़े धोने को और भी आसान बना देती हैं, जिससे कपड़े धोना अब एक आसान काम बन गया है।

नई वॉशिंग मशीनें 12 किलोग्राम के बड़े साइज में आती हैं, जिससे भारतीय ग्राहक एक बार में ज्यादा कपड़े धो सकते हैं। इसमें कंबल, पर्दे और साड़ियाँ जैसे बड़े कपड़े भी आसानी से धोए जा सकते हैं। सैमसंग इंडिया की नई 12 किलोग्राम एआई वॉशिंग मशीनों की कीमत 52,990 रुपये से शुरू होती है। ये आधुनिक वॉशिंग मशीनें फ्लैट ग्लास डोर, बेस्पोक डिज़ाइन और एआई वॉश, एआई एनर्जी मोड, एआई कंट्रोल और एआई इकोबबल जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ आती हैं।

सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, ''भारतीय ग्राहक अब ऐसे डिजिटल उपकरणों को पसंद करते हैं जो बिना ज्यादा मेहनत के बेहतर धुलाई कर सकें और साथ ही बिजली और समय की भी बचत करें। हमारी नई 12 किलोग्राम एआई-से चलने वाली वाशिंग मशीन उपभोक्ताओं को एक बार में ज्यादा कपड़े धोने की सुविधा देती है, जिससे उन्हें कम मेहनत में बेहतर परिणाम मिलते हैं। फ्रंट-लोड बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनों की नई रेंज सरल और प्रभावी धुलाई प्रदान करती है। प्रीमियम बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीन रेंज के साथ, हमारा उद्देश्य उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है जो प्रदर्शन, सुविधा और स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं, और बड़ी क्षमता वाली वॉशिंग मशीनें पसंद करते हैं।''

व्यक्तिगत लॉन्ड्री सुविधा के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाते हुए, सैमसंग की बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनें स्मार्टथिंग्स ऐप के साथ मिलकर काम करती हैं और 2.8 मिलियन डेटा पॉइंट्स का इस्तेमाल करके यूजर्स की धुलाई की जरूरतों के हिसाब से काम करती हैं। यह मशीन हर धुलाई में काफी ऊर्जा बचाती है। एआई एनर्जी मोड की वजह से 70त्न तक ऊर्जा की बचत होती है, जिससे बिजली का बिल भी कम हो जाता है।

एआई वॉश फीचर कपड़ों के वजन और कोमलता को पहचानने के लिए उन्नत सेंसिंग का उपयोग करता है, और गंदगी के स्तर को मापकर सही मात्रा में पानी और डिटर्जेंट का उपयोग करता है, जिससे कपड़े को कोमल धुलाई मिलती है। ऑटो डिस्पेंस फीचर अपने आप सही मात्रा में डिटर्जेंट और फैब्रिक सॉफ़्नर डालता है, जिससे आपको अंदाजा लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। स्मार्ट थिंक ऐप के एआई एनर्जी मोड के साथ, आप अपने घरेलू उपकरणों की ऊर्जा खपत को प्रबंधित कर सकते हैं और पैसे बचा सकते हैं। यह फीचर आपकी दैनिक, साप्ताहिक, और मासिक बिजली की खपत की निगरानी करता है और मासिक ऊर्जा बिल का अनुमान भी लगाता है। अगर बिल तय सीमा से ज्यादा हो जाए, तो ऐप ऊर्जा-बचत मोड को चालू कर देता है। इसके अलावा स्मार्टथिंग्स क्लोथिंग केयर के साथ, उपयोगकर्ता अपनी जरूरत के हिसाब से धुलाई के कस्टम चक्र बना सकते हैं और उन्हें सेव कर सकते हैं। स्मार्टथिंग्स गोइंग आउट मोड से आप दूर से ही कपड़े धोने का आदेश दे सकते हैं, बिना शेड्यूल की चिंता किए। अगर आप घर से बाहर जाते हैं और अपने तय किए हुए जियोफेंस से बाहर निकलते हैं

बच्चे के जन्म के साथ खर्चों का बनाएं बजट, कमाई व अन्य वित्तीय जिम्मेदारियों का आकलन करें

नईदिल्ली, एजेंसी। माता-पिता बनना सबसे रोमांचकारी है। हालांकि, कुछ लोगों में यह उतनी खुशियां वाला पल नहीं होता है। उदाहरण के तौर पर, कुछ महीने बाद हमारा किरायेदार अमित पिता बनने वाला था, जिसके चेहरे पर इसकी खुशी नहीं थी। जब अमित व उनकी पत्नी अंजलि ने यह खबर दी, तो हम उनके लिए खुश थे। अमित पहले तो बात करने से झिझक रहे थे, लेकिन जब उसकी और मेरी पत्नी कुछ बातचीत के लिए दूसरे कमरे में गईं तो उन्होंने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह नए खर्चों को लेकर तनाव में हैं। इससे वे दो बेडरूम की जगह एक बेडरूम वाला घर देख रहे हैं। मैं नई वित्तीय जिम्मेदारियों को लेकर उनकी चिंताओं को समझ सकता था।

मैंने उनसे एक चाचा के रूप में कहा, उनकी चिंताएं बिल्कुल सही थीं। उन्हें इस पर स्पष्ट रूप से सोचने की जरूरत है। भारतीय परिवार अक्सर अपने जीवन में दो घटनाओं को लेकर अतिशयोक्ति करते हैं। इनमें बच्चों का जन्म और विवाह। घर खरीदने के बाद यही दोनों सबसे बड़े खर्च होते हैं। जब बच्चे के जन्म की बात आती है, तो खर्च इसलिए अधिक होता है, क्योंकि कोई उसके लिए योजना नहीं बनाता है। आजकल गर्भधारण की पुष्टि करने वाले पहले टेस्ट से ही बच्चे का जन्म महंगा हो गया है। डॉक्टर के पास नियमित जाना, स्वस्थ प्रसव के लिए बेहतर आहार व मूड में बदलाव चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। दोहरी आय वाले परिवारों के लिए अनिश्चित काल के लिए एक आय कम होने की आशंका वित्तीय चिंताओं को बढ़ा सकती है।

नए माता-पिता बनने वाले नए लोगों को खर्च ज्यादा नहीं बढ़ाना चाहिए। जरूरी खर्चों पर ही ध्यान देना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि पत्नी गर्भावस्था के बाद भी काम करती रहे। अपने जीवन को सिर्फ माता-पिता बनने तक ही सीमित न रखें। यदि आप आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तो माता-पिता, भाई-बहनों और करीबी दोस्तों से सहायता लें। उदाहरण के लिए, आप अपने माता-पिता से प्रसव और अस्पताल के खर्चे देने को कह सकते हैं। भाई-बहन से नामकरण समारोह के लिए पैसे ले सकते हैं। दोस्तों से बच्चे के जन्म का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कह सकते हैं। इस तरह वे यह भी समझ पाएंगे कि वे किस लिए योगदान दे रहे हैं और यह नहीं सोचेंगे कि सारा पैसा कहां जा रहा है। बच्चे के स्कूल शुरू होने से पहले अगले कुछ वर्षों में होने वाले सभी खर्चों के लिए अभी से शुरुआत करें। यदि यह समझ में आता है, तो प्रारंभिक चरण में भावनात्मक और वित्तीय सहायता के लिए अपने माता-पिता को साथ चलने के लिए कहें। यदि यह विकल्प नहीं है, तो एक विकल्प के रूप में पूर्णकालिक नौकरानी पर विचार करें। अब, बड़े खर्चों पर ध्यान दें। पत्नी के साथ बैठें। वित्तीय स्थिति को जांचें। योजना बनाएं कि आप जीवन में क्या जोड़ना चाहते हैं।

परिवार से बच्चे को मिलने वाले उपहारों का उपयोग कॉलेज की शिक्षा के लिए निवेश में करना बेहतर होता है। उनके स्कूल जाने से पहले ही कॉलेज के लिए बचत करने के लिए एक फंड शुरू करने से यह सुनिश्चित होगा कि आप योजना के प्रति प्रतिबद्ध हैं। मैंने अमित को फ्लैट में रहना जारी रखने के लिए कहा और उनके नवजात शिशु को उपहार के रूप में वर्ष के लिए किराया वृद्धि माफ कर दी। डे-केयर और कुछ साल बाद स्कूल में प्रवेश जैसे खर्चों के लिए बचत शुरू करें। बचत और निवेश योजना आपको इस लक्ष्य के लिए फंड बनाने में मदद कर सकती है।

600 प्रतिशत चढ़ गया यह छोटकू शेयर, विजय केडिया ने खरीदे हैं इसके 12000000 शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 8 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग ने पिछले दिनों रेल विकास निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। इस स्ञ्ख के तहत दोनों कंपनियां डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट्स में हाइड्रो, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए मिलकर बोली लगाएंगी। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया का पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव है।

PATEL ENGINEERING WORKS

600 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं पटेल इंजीनियरिंग के शेयर : स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 8.51 रुपये पर थे। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 2 सितंबर 2024 को 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 320 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 14.33 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 2 साल में कंपनी के शेयरों में 150 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 79 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 41.99 रुपये है। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। विजय केडिया ने अपनी फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए पटेल इंजीनियरिंग में इनवेस्टमेंट किया है। विजय केडिया के पास पटेल इंजीनियरिंग के 12000000 शेयर या कंपनी में 1.42 पर्सेंट हिस्सेदारी है। अगर म्यूचुअल फंड्स की बात करें तो छ्रूरू फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड (छ्रूरू फ्लेक्सिकैप फंड) के पास कंपनी के 8825516 शेयर हैं।

हरतालिका तीज पर कैसे बनाएं मिट्टी के शिव-पार्वती

हरतालिका तीज का व्रत महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके अपने पति की सुरक्षा और उनकी लंबी आयु की कामना करने के लिए भगवान शिव संग माता पार्वती की पूजा करती हैं। पूजा के लिए महिलाएं इस दिन मिट्टी के शिव-पार्वती की मूर्ति भी बनाती हैं। साथ ही, हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति को सुंदर मंडप में स्थापित करके उनकी पूजा करती हैं।

आवश्यक सामग्री

- मिट्टी-आप बाजार से विशेष रूप से मूर्ति बनाने वाली मिट्टी या घर में उपलब्ध मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।
- पानी- मिट्टी को गूंथने के लिए साफ पानी।
- चौकी- मूर्ति बनाने के लिए एक साफ और समतल सतह जरूरी है।
- चाकू या नुकिली चीज- मूर्ति को आकार देने के लिए।
- सजावटी सामान- मूर्ति को सजाने के लिए आप फूल, पत्ते, या अन्य सजावटी सामान का उपयोग कर सकते हैं।

मिट्टी के शिव-पार्वती बनाने की विधि

- शिव-पार्वती की मूर्ति बनाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी तैयार करें। इसके लिए मिट्टी को पानी के साथ अच्छी तरह गूंथ लें, ताकि वह नरम और मॉडलिंग के लिए उपयुक्त हो जाए।
- इसके बाद, मिट्टी का एक बड़ा गोला बनाएं।
- गोले को लंबा और चौड़ा करके शिव-पार्वती का धड़ बनाएं।
- इसके बाद, मिट्टी के छोटे-छोटे दो गोले लेकर उनके सिर, हाथ और पैर बनाएं।
- अब, चेहरे पर आंख, नाक, होंठ आदि का आकार बनाएं।
- अब मिट्टी के थोड़े से हिस्से को लेकर उसे लंबाई में सांप की तरह बना दें और इस शिव के गले में घुमा कर लगा दें।
- इसके अलावा, आप चाहें तो बगल में त्रिशूल और हाथों में एक डमरू भी लगा सकते हैं।
- अंत में, मूर्ति को हवादार जगह में सूखने के लिए रख दें।
- आप चाहें तो सूखी हुई मूर्ति को प्राकृतिक रंगों से रंग भी सकते हैं। शिव को नीला या हरा रंग और पार्वती को लाल या गुलाबी रंग दे सकते हैं।
- बस आपकी मिट्टी के शिव-पार्वती तैयार हैं, अब आप हरतालिका तीज पर उनकी विधि अनुसार पूजा कर सकते हैं।

कम बजट की लाइटवेट जॉर्जेट साड़ी के ये डिजाइंस हरतालिका तीज पर आपको देंगे परफेक्ट फेस्टिव लुक

हरतालिका तीज 2024 के लिए कम बजट में हल्की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइन से पाएं परफेक्ट फेस्टिव लुक। जानें शेवरॉन, लेहरिया, चुनरी, पोल्का डॉट्स और मल्टी कलर प्रिंट्स की साड़ियों के साथ ब्लाउज़, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग के बेहतरीन सुझाव।

उमस के मौसम में हल्के-फुल्के कपड़े ही मन को भाते हैं। खासतौर पर तीज त्योहार के अवसर पर भी ऐसे ही कपड़े तलाशते हैं, जो हल्के हों और आरामदायक हों। हरतालिका तीज 2024 के मौके पर भी अगर आप हल्की और फेस्टिव लुक वाली साड़ी पहनने के बारे में सोच रही हैं, तो आप खूबसूरत और कम बजट वाली हल्की जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। आपको बता दें कि जॉर्जेट साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, इनमें आपको एक से बढ़कर एक वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। अगर आप भी त्योहार पर शानदार साड़ी लुक पाना चाहती हैं, तो एक बार इस लेख में दिखाए गए जॉर्जेट साड़ी के पैटर्न और डिजाइंस देखकर अपने लिए एक नई और अच्छी जॉर्जेट साड़ी खरीद सकती हैं और उसे स्टाइल करने के टिप्स भी जा सकती हैं। इस लेख में हम विभिन्न प्रिंट्स की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइंस और उनके साथ सही ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग स्टाइल के सुझावों पर चर्चा करेंगे।

शेवरॉन प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

शेवरॉन साड़ी में हॉरीजॉन्टल और वर्टिकल लाइंस पड़ी होती हैं, ऐसी साड़ी में अधिकतर काली सफेद धारियां होती हैं। अगर आप हरतालिका तीज पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको एक बार ऊपर दिखाई गई तस्वीर पर गौरफरमाना चाहिए। इस तरह की साड़ी के साथ आप सादा या मेटैलिक ब्लाउज पहन सकती हैं। एक प्लेन या हल्के वर्क वाले ब्लाउज को इस साड़ी के साथ पहन कर आप सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

फैशन टिप्स- इस साड़ी के साथ आपको मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी पहननी चाहिए। सिल्वर या गोल्ड प्लेटेड चूड़ियां, एक सादी चेन, और छोटे झुमके इस साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। हल्का मेकअप इस प्रिंट के साथ सबसे अच्छा लगता है। आप न्यूड लिपस्टिक के साथ लाइट आईशैडो लगाकर अपने लुक को एलिवेट कर सकती हैं। शेवरॉन प्रिंट साड़ी को क्लासिक ड्रेप में पहना जा सकता है। इससे यह प्रिंट ज्यादा अच्छा लगता है।

लेहरिया प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

राजस्थान की फेमस लेहरिया साड़ी में भी आपको बाजार में बहुत सारी वेराइटी और प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। ये साड़ियां 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आपको अलग-अलग पैटर्न और प्रिंट में मिल जाएंगी। आप इन्हें भी फेस्टिवल में पहन सकती हैं और खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

फैशन टिप्स- लेहरिया प्रिंट साड़ी के साथ एक फुल-स्लीव्स या थ्री-फोर्थ स्लीव्स वाला ब्लाउज अच्छा लगता है। अमूमन लेहरिया प्रिंट वाली साड़ी में गोल्डन बॉर्डर होता है, तो आप गोल्डन या कॉपर ब्रोकेड वाला ब्लाउज इसके साथ पहन सकती हैं। इस प्रिंट के साथ गोल्डन ज्वेलरी आपको पहननी चाहिए। इससे आपको अच्छा एथनिक औश्र ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो इसके साथ हैवी झुमका भी पहन सकती हैं। लेहरिया प्रिंट के साथ आप बोल्ड लिपस्टिक और लाइट स्मोकी आई मेकअप ट्राई कर सकती हैं। लेहरिया प्रिंट साड़ी को ड्रेप करते समय ध्यान दें कि लहरें एकसार दिखें।

चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

चुनरी प्रिंट में भी आपको बहुत सारे पैटर्न और डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह का प्रिंट अपने आप में ही फेस्टिव लुक देता है। इसमें आपको हैवी और लाइट दोनों वेट की साड़ियां मिल जाएंगी। आप एक सिंपल सी 250 रुपये की साड़ी खरीद कर उसे अपने हिसाब से किसी अच्छे कारीगर से कढ़वा भी सकती हैं।

फैशन टिप्स- चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ सिंपल या फिर स्टाइलिश नेकललाइन वाला ब्लाउज बहुत अच्छा लगेगा। आप इस ब्लाउज पर साड़ती के एक टुकड़े से फिल भी लगवा सकती हैं इस प्रिंट के साथ आप रंग-बिरंगे स्टोन वाली ज्वेलरी का चयन कर सकती हैं। इससे आपके लुक को खूबसूरत अंदाज मिलेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ रेड लिपस्टिक और हल्का मेकअप ट्राई करें। स्किन टोन के अनुसार सॉफ्ट और नैचुरल मेकअप आप पर अच्छा लगेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी को फ्लोई स्टाइल में ड्रेप करें। प्लीट्स को सही से सेट करें ताकि प्रिंट अच्छा दिखे।

पोल्का डॉट्स जॉर्जेट साड़ी

पोल्का डॉट्स बहुत ही क्लासिक प्रिंट होता है। साड़ी में यह और भी ज्यादा अच्छा और ट्रेडिशनल लगता है। अगर आप भी इस त्योहार पर ऐसा अच्छा एथनिक लुक पाना चाहती हैं, तो आपको भी इस तरह की साड़ी में बहुत सारी वेराइटी मिल जाएगी।

फैशन टिप्स- पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ एक प्लेन या हल्के डॉट्स वाला ब्लाउज आप पहन सकती हैं। पोल्का डॉट्स वाली साड़ी के साथ लाइट वेट ज्वेलरी आप पहन सकती है, एक स्टड पहन कर भी आप अपना लुक पूरा कर सकती हैं। पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ आप लाइट मेकअप और न्यूड लिप्स का चयन करें। पोल्का डॉट्स साड़ी को ड्रेप करते समय इसे एक क्लासिक या स्लीक ड्रेप दे और पल्लू में प्लेट्स बना लें।

हरतालिका तीज के मौके पर प्लेन सलवार-सूट को फैंसी बनाने के लिए दुपट्टे के इन डिजाइंस को करें ट्राई

स्टाइलिश दिखना हम सभी को पसंद होता है। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को पहनते हैं। आजकल की बात करें तो प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार-सूट को पहनना बेहद पसंद किया जाने लगा है। त्योहार की बात करें तो हरतालिका तीज आने वाली है। इस मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन दुपट्टों को स्टाइल करने के लिए आसान टिप्स-

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

लाइट वेट में फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा-पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। इस तरह से आप पुरानी साड़ी को भी रीसायकल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी-कलर दुपट्टा डिजाइन

मल्टी कलर में आजकल कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल सबसे ज्यादा स्टाइल किया जा रहा है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। वहीं अगर आप और ज्यादा दुपट्टे को फैंसी बनाना चाहती हैं तो लेस वर्क जैसे गोटा-पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टे देखने में बेहद चमकदार और फैंसी लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। बात अगर स्टाइलिंग की करें तो इसे आप किसी भी तरह के प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

केवल 5 मिनट में मेहंदी की ये सुंदर डिजाइंस हाथों पर लगाएं

त्योहार पर मेहंदी लगाने का वक्त नहीं मिल रहा है, मगर लगाने का मन भी हो रहा है तो आप भी लेख में दिखाए गए मेहंदी डिजाइंस को हाथों पर 5 मिनट में लगवा सकती हैं।

त्योहारों की झड़ी लगी हुई है। एक के बाद एक त्योहार आ रहे हैं। कजरी तीज का त्योहार अभी कुछ दिन पहले ही निकला है और अब हरतालिका तीज भी आने ही वाली है। यह महिलाओं का त्योहार है और इस पर्व पर वे सोलह श्रृंगार भी करती हैं। मेहंदी की बिना महिलाओं का श्रृंगार कहां पूरा होता है। ऐसे में अगर आप भी हरतालिका तीज पर हाथों पर कम समय में और आसानी से लगने वाली मेहंदी डिजाइन तलाश रही हैं, तो इस लेख में दिखाई गई मेहंदी डिजाइंस को देखें और जानें कि आप इन्हें कैसे हाथों पर कम समय में लगवा सकती हैं।

मिनिमल बेल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी का क्रेज आजकल महिलाओं में बहुत देखा जा रहा है और इस तरह की मेहंदी को हाथों में लगाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। आप बेल मेहंदी को भी मिनिमल अंदाज दे सकती हैं।

सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन

आप हरतालिका तीज पर अपने हाथों को सुंदर दिखाने के लिए आप सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन को लगा सकती हैं। इसमें कलाई पर जाल का डिजाइन क्रिएट किया जाता है। फिर फूल, पत्तियों और कोन डिजाइन बनाकर डिजाइन को क्रिएट किया जाता है। अब इसमें अलग-अलग डिजाइन और शेड करते हैं। उंगलियों पर सिंपल पत्तियों का डिजाइन क्रिएट करें। इससे आपका हाथ अच्छे लगेंगे। इस तरह की बेल को बनाने में आपको सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा।

मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइंस

आपके हाथ छोटे हों या बड़े, पतले हों या मोटे हरतालिका तीज पर मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर बहुत ही अच्छी लगेगी। इसे बनाने में आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा। आप हथेली के बीचों-बीच गोल आकार में रेखा खींच कर अंदर और बाहर छोटी-छोटी आकृतियां बनाकर अपने मेहंदी डिजाइन को पूरा कर सकती हैं। बेस्ट बात तो यह है कि इस मेहंदी डिजाइन के साथ उंगलियों और कलाई पर थोड़ी घनी मेहंदी लगा सकती हैं। वहीं आपके पास समय कम हो तो केवल हथेली के बीच मेहंदी लगाकर भी मेहंदी को कंप्लीट कर सकती हैं।

जल मेहंदी डिजाइंस

जाल मेहंदी लगाना आसान है। इसके लिए आपको तय करना होगा कि आप फूलों, लकीरों या डॉट्स किसका जाल बनाना चाहती हैं। इसके बाद पूरे हाथों में वैसी ही जाल डिजाइन बनाएं और बाद में उस जाल को छोटी-छोटी डिजाइंस से भरें। इस तरह की मेहंदी में आप हथेली और उंगलियों में एक जैसी डिजाइन बना सकती हैं। आपको ज्यादा भरे-भरे हाथ चाहिए तो आप हाथों के आगे और पीछे दोनों तरफ जाल बनवा सकती हैं। अगर आपके हाथ छोटे और मोटे हैं, तो इस तरह की मेहंदी डिजाइन आपके हाथों को पतला और लंबा दिखाएगी।

पवित्र प्रतीक वाली डिजाइंस

शुभ अवसर और त्योहार पर आप भी हाथों में पवित्र हिंदू प्रतीकों वाली मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह न केवल दिखने में अच्छी लगेगी बल्कि अवसर के हिसाब से आपके हाथों को अच्छे लुक भी देगी। आप ओम, स्वास्तिक या त्रिशुल भी बनवा सकती हैं। यह सभी चिन्ह 5 मिनट से भी कम समय में बन सकते हैं। आप दोनों हाथों में अलग-अलग चिन्ह वाली मेहंदी डिजाइन भी लगा सकती हैं। अगर आपको थोड़ी हैवी मेहंदी डिजाइन पसंद है, तो छोटी-छोटी आकृतियों से हाथों को फिल कर सकती हैं।

गोल टिक्की मेहंदी डिजाइंस

हरतालिका तीज पर अगर आपको मेहंदी लगवानी है, मगर आपके पास समय नहीं हैं, तो आप खुद से घर पर गोल टिक्की मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह बहुत ही आसान होती है और इसे आप खुद से लगा सकती हैं। आप हाथों के बीच में बड़ी सी गोल टिक्की बनाएं और उसे आस-पास डॉट से हाथों को सजाएं। ऐसा करने से मेहंदी डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है और यह बहुत जल्दी लगती है। आप अपने दोनों हाथों में एक जैसी डिजाइन बनाकर उंगलियों की टिप को मेहंदी से कवर कर सकती हैं।

कमल के फूल वाली मेहंदी डिजाइंस

कमल का फूल हिंदू धर्म में सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आप हाथों में केवल कमल का फूल ही बना लें, तब भी आपकी मेहंदी डिजाइन बहुत खूबसूरत लगेगी। वहीं उंगलियों को आप जाल मेहंदी डिजाइन से कवर कर सकती हैं। हरतालिका तीज पर इस तरह की मेहंदी डिजाइन बहुत ही कम समय में लग जाती हैं और दिखने में भी बहुत सुंदर लगती हैं।

कार्तिक आर्यन की पति पत्नी और वो का बनेगा सीक्वल?

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म पति पत्नी और वो वर्ष 2019 की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक थी। फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज ने हाल ही में एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा के सीक्वल की पुष्टि की है। फिल्म के निर्देशक ने वादा किया कि आने वाली फिल्म हंसी का दंगा होगी और एक महिला के दृष्टिकोण से एक बहुत ही दिलचस्प दृष्टिकोण दिखाएगी। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कार्तिक आर्यन ने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कर दी और सीक्वल में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मुदस्सर अजीज ने फिल्म पति पत्नी और वो के सीक्वल की ओर इशारा करते हुए कई अपडेट साझा किए। उन्होंने कहा, यह बतौर निर्देशक मेरी अगली फिल्म होगी। मैं अभी इसी पर काम कर रहा हूं। हम कई चीजों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। जाहिर है मैं इसे पति पत्नी और वो के विचार की अगली किस्त के रूप में फिर से करने जा रहा हूं। इसलिए मैं वादा कर सकता हूं कि यह कोई साधारण फिल्म नहीं होगी। मैं एक महिला के दृष्टिकोण से और बेहद ही दिलचस्प तरीके से दिखाऊंगा। साथ ही हंसी से भरपूर होगी।

फिल्म की कास्ट पर की बात

निर्देशक ने फिल्म की कास्ट को लेकर फिलहाल कोई खुलासा नहीं किया है। उन्होंने कहा, मैं अभी कोई घोषणा करने के लिए तैयार नहीं हूं। मैं एक सीक्वल की दिशा में काम कर रहा हूं, जो अपने आप में ही स्पष्ट है। मैं फ्रैंचाइजी में विश्वास नहीं करता। यहां तक कि जब मैं हैप्पी भाग जाएगी से हैप्पी फिर भाग जाएगी में गया। तो आप बग्गा, अफरीदी और हैप्पी को नहीं भूल सकते। मुझे सीक्वल बनाना पसंद है। हालांकि कौन फाइनल हुआ है और कौन फाइनल नहीं हुआ है, और कास्ट कौन होगी, इसकी घोषणा करना स्टूडियो और निर्माताओं का अधिकार है।

काफी उतार-चढ़ाव वाले दौर से गुजर रही हैं जैकलीन, बताया कैसे खुद को रखती हैं सकारात्मक

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज का फिल्मी करियर और निजी जीवन काफी उतार-चढ़ाव वाले दौर से गुजर रहा है। अभिनेत्री इन दिनों अपनी फिल्मों की वजह से नहीं, ब्लकि अन्य कारणों से काफी चर्चा में रहती हैं, जो सकारात्मक नहीं है। हाल में ही अभिनेत्री ने इस पर बात की है कि वो कैसे इन चीजों से निपटती हैं। हार्पर्स बाजार के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बॉलीवुड में भाषा की वजह से होने वाली दिक्कतों पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी इससे जूझ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान कहा, सकारात्मक और नकारात्मक चीजें हमेशा रहेंगी, लेकिन जिस चीज ने मेरी सबसे ज्यादा मदद की है, वह है प्यार पाने की इस निरंतर इच्छा और जरूरत को छोड़ना और यह महसूस करना कि यह वास्तव में आखिरी भ्रम है, जो हम सभी महसूस करते हैं। इस वजह से ही मैं खुद को स्वतंत्र, विनम्र और शांत रख पाती हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें किसी भी चीज से डर नहीं लगता। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से ईश्वर में विश्वास करती रही हूं। यह मेरे जीवन में एक बहुत ही मजबूत शक्ति है और इसी वजह से ही मुझे कभी किसी चीज से डर नहीं लगता।

जैकलीन ने आगे कहा कि उन्होंने कई सारे बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि वो अक्सर ध्यान लगाती हैं। इसके अलावा अब वह सही और गलत लोगों के बीच अंतर करने में सक्षम हो गई हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने परिवार और अच्छे लोगों को अपने करीब रखती हैं। उन्होंने कहा,मैं सहानुभूति रखने की क्षमता को अपनी महाशक्ति के रूप में रखती हूं, न कि कमजोरी के रूप में। गौरतलब है कि पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जैकलीन को ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। चंद्रशेखर के साथ उनके संबंधों के लिए ईडी अधिकारियों ने कई बार उनसे पहले भी पूछताछ की है। भाषा की वजह से होती दिक्कतों पर अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं अभी भी भाषा की दिक्कतों से निपट रही हूं। मैं इसका प्रशिक्षण लेती हूं और कड़ी मेहनत करती हूं। एक ऐसी भाषा में बोलना और प्रदर्शन करना, जो मेरी मातृभाषा भी नहीं है। मुझे खुद को उसमें बेहतर होते हुए देखना काफी सकारात्मक और अच्छा लगता है। मुझे अपने शुरुआती वर्ष भी याद हैं, जब मैंने काम करना शुरू किया था।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें करियर के शुरुआती वर्षों में भाषा की वजह से काफी समस्या हुई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बुरा सपना था, क्योंकि उन्हें आलोचकों की तरफ से काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि उनकी तीसरी फिल्म मर्डर 2, साल 2011 में रिलीज हुई थी, उसके बाद ही कुछ सकारात्मक निर्णय और रचनात्मक आलोचना प्राप्त हुई थीं। इसके बाद वह हाउसफुल 2 (2012) और रेस 2 (2013) में भी नजर आईं। जैकलीन अगली बार फिल्म वेलकम टू जंगल में नजर आएंगी, जो 20 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी।

जो भी एक्टर साथ काम करने के लिए मना करता है, उसके सीने पर बैठ जाता हूं

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को मुल्क, आर्टिकल 15, थप्पड़ और अनेक जैसी संवेदनशील फिल्में देने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों 1999 के कंधार प्लेन हाईजैक पर आधारित वेब सीरीज आईसी 814- द कंधार हाईजैक को लेकर चर्चा में हैं। खास बात यह है कि उनकी इस सीरीज में 100 से ज्यादा किरदार हैं, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, कंवलजीत, अरविंद स्वामी, सुशांत सिंह, दीया मिर्जा, विजय वर्मा, पत्रलेखा जैसे शानदार एक्टर्स शामिल हैं।

रिसोर्स ज्यादा हो तो डर भी ज्यादा होता है

नसीर और पंकज कपूर जैसे दिग्गजों को एक साथ कास्ट करने और निर्देशित करने की चुनौती के बारे में अनुभव सिन्हा बताते हैं, अपनी मन की कास्ट के लिए मैं हर जतन करता हूं। कोई मुझे मना करे तो मैं उसे मनाने के लिए सीने पर बैठ जाता हूं। जैसे मुल्क के लिए कुमुद मिश्रा तैयार नहीं थे, पर मैंने उन्हें मनाया। इसी तरह, इस सीरीज के लिए नसीर भाई (नसीरुद्दीन शाह) तुरंत मान गए पर पंकज कपूर को मनाने में वक्त लगा। वह सीरीज करने के लिए तैयार नहीं थे। मैंने उन्हें बोला कि आप रोल सुन लो तो उन्होंने कहा कि मैं पूरी स्क्रिप्ट पढ़ूंगा और उन्होंने पूरी स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद हां कहा। रही बात इन सबको डायरेक्ट करने की, तो सभी इतने अच्छे एक्टर हैं कि एक बार उनको सीन बता दो तो वो कर रहे होते हैं और मुझे सिर्फ उसे अच्छे से शूट करना होता है। तो ऐसा कोई चैलेंज नहीं था। चैलेंज सिर्फ यह होता है कि जब आपके पास इतना टैलेंट हो तो उनके साथ न्याय करने का दबाव होता है। उपयोग किया जाए।

भुवन अरोड़ा ने पर दिया अपडेट जल्द आएगी फर्जी 2

राज और डीके द्वारा निर्मित सस्पेंस-थ्रिलर और धमाकेदार एक्शन के भरपूर वेब सीरीज फर्जी का दूसरा सीजन जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होगा, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। फिल्म में शाहिद कपूर के सह कलाकार भुवन अरोड़ा ने फर्जी 2 को लेकर अपडेट साझा किया है। फर्जी ने भारत की अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हिंदी वेब सीरीज बनकर इतिहास रच दिया था। इस सीरीज में शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, के के मेनन और भुवन अरोड़ा ने अहम भूमिका निभाई थी। क्राइम थ्रिलर इस सीरीज ने अपने पहले सीजन से ही काफी चर्चा बटोरी थी। अब जब निर्माता फर्जी का सीजन 2 लेकर आ रहे हैं, ऐसे में फर्जी में शाहिद के दोस्त की भूमिका निभाने वाले भुवन अरोड़ा ने बहुप्रतीक्षित सीजन फर्जी 2 के बारे में अपडेट साझा किया है।

भुवन अरोड़ा ने वेब सीरीज फर्जी में फिरोज की भूमिका निभाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान भुवन ने कहा कि राइटर्स रूम चालू है यानी की वेब सीरीज फर्जी 2 पर जोरों से काम चल रहा है। इसके साथ ही भुवन ने बताया कि वेब सीरीज फर्जी 2 के प्री-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है। भुवन ने कहा, आ रही है, पक्का आ रही है। लेखकों का कमरा तैयार है। हमने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन मुझे लगता है कि हम यह कर रहे हैं। इस समय हर कोई व्यस्त है। सब लोग अपना अपना काम कर रहे हैं।

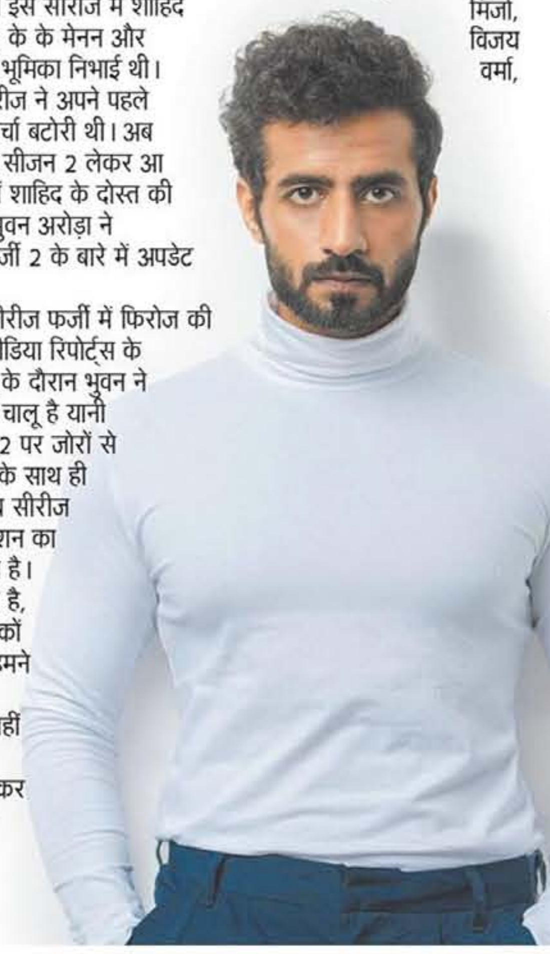

स्त्री 3 में भी नजर आएंगी अन्या सिंह?

नहीं लेना चाहती फिल्म की सफलता का श्रेय

स्त्री 2 कई कारणों से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है, जिसमें फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता, क्रेडिट वॉर, पोस्टर की समानताएं, सॉफ्ट चिट्टी...लोरी और बहुत कुछ शामिल है। लोगों को इस हॉरर कॉमेडी में बिट्टू के रूप में अपारशक्ति खुराना द्वारा अपनी ऑन-स्क्रीन गर्लफ्रेंड चिट्टी को लोरी गाते सुनाना दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहा है। हाल ही में, रिलीज हुई फिल्म में बिट्टू की गर्लफ्रेंड उर्फ चिट्टी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री अन्या सिंह ने बताया है कि क्या वह फिल्म के अगले पार्ट में नजर आएंगी या नहीं। एक इंटरव्यू में अन्या सिंह ने स्त्री 2 की सफलता अपने पसंदीदा दृश्य और आगामी फिल्म स्त्री 3 के बारे में बात की अन्या से पूछा गया कि क्या दर्शक भविष्य में उन्हें स्त्री 2 में चिट्टी की भूमिका में देख पाएंगे। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें उम्मीद है कि उनका किरदार स्त्री 3 का हिस्सा होगा। अभिनेत्री ने स्त्री 2 को पाने के बारे में भी बताया और कहा कि यह फिल्म दर्शकों को एक मजबूत संदेश कैसे देती है। इसकी सफलता के बारे में बात करते हुए, अन्या ने साझा किया कि वह इसका श्रेय नहीं लेना चाहती क्योंकि यह उनकी फिल्म है। अभिनेत्री ने कहा कि वह स्त्री 2 का हिस्सा बनकर खुद को काफी भाग्यशाली महसूस करती हैं। इसे एक बड़ी फिल्म कहते हुए अन्या ने स्वीकार किया कि दर्शकों के रूप में उन्होंने हॉरर कॉमेडी का पूरा आनंद लिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अन्या सिंह ने 2017 में कैदी बैंड में अपनी पहली प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसमें अन्या को आधार जैन के साथ जोड़ा गया था। साल 2023 में अभिनेत्री ने अनन्या पांडे, आदर्श गौरव और सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म खो गए हम कहां में अभिनय किया।

पहली बार लॉस एंजिल्स के बिलबोर्ड पर दिखने से खुश हैं ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर पहली बार लॉस एंजिल्स के सनसेट बुलेवार्ड में बिलबोर्ड पर अपने आप को देखकर बेहद खुश हैं। ईशान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जो उनकी को-स्टार ईव हेवसन का लगता है। बिलबोर्ड पर उनकी आने वाली सीरीज द परफेक्ट कपल का पोस्टर लगा है, इसमें वे और उनके को-स्टार्स नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, सनसेट बुलेवार्ड में मेरा पहला बिलबोर्ड, द परफेक्ट कपल नेटफ्लिक्स पर 5 सितंबर को।

बाद में अभिनेता ने अपने पासपोर्ट और टिकट की एक झलक शेयर की और लिखा- उत्साह की शुरुआत। अभिनेता ईशान खट्टर ने यह नहीं बताया कि आखिर वह कहां जा रहे हैं। द परफेक्ट कपल की बात करें, तो यह निकोल किडमैन, लिव श्रेइबर, डकोटा फैनिंग, हेवसन और ईशान अभिनीत एक मिस्ट्री ड्रामा है। यह एलिन हिल्डरब्रांड के इसी नाम के 2018 के उपन्यास का रूपांतरण है। शो में ह्यूसन के किरदार अमेलिया की कहानी बताई गई है, जो अमीर नैनटकेट विनबरी परिवार से शादी करने वाली है, लेकिन उस परिवार की महिला मुखिया, जो लेखिका भी हैं, वह इस शादी को लेकर खुश नहीं है। समुद्र तट पर एक लाश मिलती है, इससे परिवार के सभी राज सामने आने लगते हैं। इसके बाद हर कोई शक के घेरे में आ जाता है। द परफेक्ट कपल के अलावा, ईशान भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, चंकी पांडे, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमण जैसे नामों के साथ द रॉयल्स में नजर आएंगे। प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित इस सीरीज में विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी भी हैं। सीरीज के बारे में अभी बाकी विवरण गुप्त रखे गए हैं। राजेश खट्टर और नीलिमा अजीम के बेटे ईशान खट्टर ने 2005 की फिल्म वाह! लाइफ हो तो ऐसी! से एक बाल कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत की। इसके बाद उन्हें 2017 में माजिद मजीदी के शो बियॉन्ड द क्लाउड्स में देखा गया। अभिनेता को 2018 में रोमांटिक ड्रामा धड़क के साथ अपनी पहली सफलता मिली, इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया।

पुरस्कार पाकर दिव्या खोसला कुमार प्रशंसकों का जताया आभार

दिव्या खोसला कुमार अपनी फिल्म 'सवी' को लेकर खूब चर्चा में रहीं। अभिनेत्री को फिल्म में अभिनय के लिए काफी सराहना मिली। अब उन्हें 'सवी' के लिए 'ब्रांड्स इम्पैक्ट इंटरनेशनल क्वालिटी अवार्ड्स' में मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (महिला) का पुरस्कार मिला है।

अपने इंस्टाग्राम पर उन्होंने पोस्ट साझा कर दर्शकों का धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा, 'मैं इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए बहुत आभारी हूं, मेरे प्यारे दर्शकों की आभारी हूं। अभिनेत्री ने आगे लिखा, आपका प्यार और समर्थन मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता।

ग्राम्य विकास आयुक्त ने किया बिसरख विकास खंड का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ जी0एस0 प्रियदर्शी द्वारा विकास खण्ड बिसरख का औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप प्रमेय उपस्थित रहे।

आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पादों को भी देखा गया एवं उसकी काफी प्रशंसा की गयी। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा प्रकाशित आद्या शक्ति का उदघोष नामक पत्रिका का भी अवलोकन किया एवं समूह की महिलाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की। निरीक्षण के समय विकास खण्ड की व्यवस्था एवं रख रखाव की प्रशंसा की गयी, साथ ही विभिन्न विभागों की खण्ड स्तर पर संचालित योजनाओं के विषय में भी समीक्षा करते हुये उनमें और अधिक सुधार लाने के लिए सभी से सुझाव प्राप्त किये। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ को आश्वस्त किया गया कि आज जो आपके द्वारा दिशा निर्देश दिये गये है उसका सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों से पालन सुनिश्चित कराया जायेगा।

इस अवसर पर आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड बिसरख के सभागार में जल जीवन मिशन के प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभाग किया गया एवं उपस्थित ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं स्वयं सहायता समूहों को ग्रामीण जल आपूर्ति योजना के विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुये प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर आयुक्त ग्राम्य विकास उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी ने विकास खण्ड के परिसर में पीपल के वृक्ष को रोपण किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी बिसरख अजितेश कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी दादरी एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस व ईओडब्ल्यू ने सनशाइन बिल्डर पर कसा शिकंजा

सोसाइटीवासी की शिकायत पर पहुंची ऑफिस, जब्त किए गए दस्तावेज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-78 स्थित शनशाइन हिल्योस सोसाइटी में निवासियों की शिकायत पर पुलिस तथा ईओडब्ल्यू टीमों ने बिल्डर के खिलाफ एक्शन लिया है। पुलिस ने बिल्डर और उसके ठिकानों पर एक साथ सर्च आपरेशन चलाया। दरअसल बिल्डर पर आरोप है कि उसने निवासियों के साथ धोखाधड़ी की है। बिजली के बिल, मैनटेनेंस चार्ज, आईएफएमएस फंड और एओए के गठन को लेकर बिल्डर लगातार जालसाजी करता आ रहा है। इसकी शिकायत सोसाइटी वासियों ने थाना सेक्टर-113 पुलिस की थी। जिसकी जांच की जा रही है।

एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि सेक्टर-78 में सनशाइन हिल्योस सोसाइटी है। सोसाइटी में काफी दिनों से सोसाइटी वासियों और बिल्डर के बीच तनातनी चल रही थी। सोसाइटी की ओर से कई बार प्रबंधन से इसकी शिकायत की गई। लेकिन उनकी नहीं सुनी गई। ऐसे में एक शिकायत थाना सेक्टर-113 में की गई। बताया गया बिल्डर ने करोड़ों रुपए का गबन किया। उसने सोसाइटी वासियों से पैसा लिया लेकिन अब तक सोसाइटी एओए के हैंडओवर की गई। यही नहीं बिजली बिल, पानी, मैनटेनेंस के अलावा तमाम अन्य मदों में पैसा लेकर काम नहीं कराया। यही नहीं जबरन नोटिस भेजकर वसूली तक की जा रही है। ऐसे में एडीसीपी समैत पुलिस के कई बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने छानबीन की। इस दौरान बिल्डर के ऑफिस से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। जिनकी जांच की जा रही है। हालांकि सोसाइटी में बिल्डर मौजूद नहीं था।

बताया गया कि उसके घर पर भी पुलिस पहुंची। लेकिन वहां भी नहीं मिला। निवासियों ने आरोप लगाया कि पुलिस के आने की भनक बिल्डर और उसके कार्यलय में काम करने वाले लोगों को थी। ऐसे में पुलिस पहुंचने से पहले ही सारे दस्तावेज गायब कर दिए गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसमें से एक निदेशक हरेन्द्र यादव भी है। उसके आवास तथा दफ्तरों पर की छापेमारी की गई। सेक्टर-78 में उसकी अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसायटी भी है।

87 करोड़ था बकाया

बिल्डर पर नोएडा प्राधिकरण का करीब 80 करोड़ रुपए बकाया है। अमिताभ कांत की सिफारिश के बाद बिल्डर को दो साल का कोविड जीरो पीरियड का लाभ दिया गया। यानी बिल्डर को कुल 17 करोड़ रुपए की छूट दी गई। जिसके बाद उसे 70 करोड़ रुपए जमा करने थे। ये पैसा भी अब तक बिल्डर की ओर से जमा नहीं किया गया। बताया गया कि कुछ आंशिक पैसा ही जमा किया गया है। ऐसे में सोसाइटी में बायर्स की रजिस्ट्री रुकी हुई है।

हजयात्री 9 सितंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

नोएडा (चेतना मंच)। प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसोदिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति सरोजनीनगर लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा सकुर्लर-3, 26 अगस्त 2024 निर्गत किया गया है, जिसने सूचना दी गयी है कि हज गाइडलाइन्स 2025 में आंशिक संशोधन करते हुए 65 वर्ष से अधिक हज यात्री के साथ एक सहयोगी जिसकी आयु 65 वर्ष से कम मान्य होगी परन्तु सहयोगी के रूप में पति/पत्नी/लड़का/लड़की व भाई/बहन पात्र होगे। अन्य सम्बन्धों में सहयोगी के रूप में 18 से 60 वर्ष की आयु मान्य होगी।

उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त के अतिरिक्त हज गाइडलाइन्स 2025 के बिन्दु 6 में आंशिक संशोधन करते हुए अवगत कराया गया है कि सभी चयनित हज यात्रियों को कुर्रा अथवा चयन के एक सप्ताह के भीतर हज आवेदन फार्म की डाउनलोड प्रति अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट के प्रथम व अन्तिम पृष्ठ की स्वहस्ताक्षरित फोटोप्रति व पासपोर्ट घोषणा पत्र एण्ड अण्डरटेकिंग व अग्रिम धनराशि की पे-इन-रिलप उ0प्र0 राज्य हज समिति में डाक अथवा दस्ती जमा करना होगा।

हज-2025 के ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 09 सितम्बर, 2024 है। सभी इच्छुक हज आवेदकों से अपील कि वह ऑनलाइन आवेदन शीघ्र कर दें व अंतिम तिथि की प्रतिक्षा न करें। मूल अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट राज्य हज समिति को निर्धारित की गयी तिथि तक जमा कराना होगा, जिसकी सूचना बाद में दी जायेगी।

नोएडा पंजाबी एकता समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 वेडिंग विला बैंक्वेट में नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी)ने अध्यक्ष वीरेंद्र मेहता के नेतृत्व में मासिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में सर्वप्रथम जून 2024 से अगस्त 2024 तक बने नए सदस्यों का स्वागत किया गया उसके पश्चात् बैठक में जून माह में आयोजित छबील का लेखा -जोखा कोषाध्यक्ष गौरव चाचरा द्वारा प्रस्तुत किया गया जो सर्वसम्मति से सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से पास कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामाज्ञा स्कूल के चेयरमैन संजय गुप्ता द्वारा इस वर्ष 10वीं व 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक मार्क्स में उत्तीर्ण हुए बच्चों को सर्टिफिकेट और मोमेंटो दिए गए।

मासिक बैठक में नोएडा पंजाबी एकता समिति (पंजी) के संरक्षक और सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, संरक्षक जसविंदर खोकर, सतपाल सचदेवा, एस.पी.आनंद, दर्शन कुमार, भाजपा नेता रवि मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता, उपाध्यक्ष नवीन सोनी, बी. के. मेहता, सुभाष मेहता, अतुल सहगल, महेंद्र कटारिया, सुनील मेहता, के. के. अरोड़ा, मनोज बावेजा, श्रीमती सुनयना अरोड़ा,भरत कुमार, सचिव अतुल मल्होत्रा, श्रीमती रेनू छिबर, पुनीत कपूर,अंतेश भंडारी, नरेन्द्र सचदेवा, सह -सचिव सुभाष जैन, सुमित मनचंदा, पवन विज, राकेश खन्ना, राजीव खन्ना, पुनीत कपूर,मनीष निझावन, पुशपिंदर तुली एवं विशाल संख्या में मातृ शक्ति एवं बच्चे उपस्थित रहे।

पैरामाउंट फ्लोराविल सोसाइटी में बिल्डर के खिलाफ नारेबाजी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-137 में स्थित एक हाई राइज सोसाइटी में सोमवार को बिल्डर की मनमानी और मेंटनेंस चार्ज बढ़ाने के विरोध में सोसाइटी के निवासियों ने बिल्डर के मेंटेनेंस दफ्तर का घेराव किया। सोसाइटी के रेजीडेंट्स ने बिल्डर से ऑडिट अकाउंट उपलब्ध कराने की मांग की है ।

नोएडा के थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में स्थित पैरामाउंट फ्लोराविल में निवासियों ने बिल्डर पर मेंटेनेंस चार्ज बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया है कि बिल्डर ने सुविधाएँ बढ़ाने की बात कहकर मेंटनेंस चार्ज को 2 रुपये प्रति वर्ग फीट से बढ़ाकर 2.40 रुपये प्रति वर्ग फीट कर दिया है। बिल्डर ने यह चार्ज बढ़ाने पर आश्वासन दिया था कि इससे स्टाफ की सैलरी में बढ़ोतरी की जाएगी और सोसाइटी को सुविधाओं से लैस किया जाएगा। सोसाइटी निवासियों का आरोप है कि सैलरी बढ़ाने की बजाय अतिरिक्त पैसे को किसी अन्य प्रोजेक्ट में ट्रांसफर किया जा रहा है।

पैरामाउंट फ्लोरविल के निवासियों ने बताया कि आये दिन सोसाइटी में कोई ना कोई विवाद होता रहता है। निवासियों ने बताया कि सोसाइटी में अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन (AOA) का होना बेहद जरूरी है। जो निवासियों के हित में बात करे और निवासियों की समस्याओं को हल कराये। विरोध प्रदर्शन में सोसाइटी के अधिकांश निवासियों ने भाग लिया। इनमें आरसी सलवान, आरके भटिया, राजेश यादव, एनके यादव, राजेंदर सिंह, जेसी कपूर, सुरेंदर चौहान प्रमुख रहे।

एचएचईडब्ल्यूए का ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन (एचएचईडब्ल्यूए) द्वारा ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड 2024 का आयोजन सेक्टर 18 स्थित एक होटल में किया गया। कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 300 निर्यातकों ने हिस्सा लिया है, जिनमें 45 निर्यातकों को विभिन्न राज्यों से विभिन्न उत्पादों के लिए पुरस्कार दिए गए।

संस्था के अध्यक्ष सीपी शर्मा ने बताया कि हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने 40 बाइंग एजेंटों को भी आमंत्रित किया था इसी के साथ साथ कई विदेशी एजेंसियों ने भी आज के कार्यक्रम में भाग लिया था। मोहन कपूर ने बताया कि आज के कार्यक्रम के नेटवर्किंग इवेंट को हमारे सभी गणमान्य अतिथियों राकेश सचान, ब्रजेश सिंह, सांसद महेश शर्मा, डॉ. राकेश कुमार, ईपीसीएच के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आर. के. वर्मा, बीएए के चेयरमैन विशाल ढींगरा और जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सफलता पूर्वक पूरा किया गया। सभी 45 निर्यातकों और 15 बाइंग एजेंसियों को पुरस्कार दिए गए हैं।

भारत बढेरा ने बताया कि हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन हमेशा से देश के लघु और मध्यम उद्योगों के लिए अग्रणी भूमिका निभा रही है। हमारी एसोसिएशन का उद्देश्य निर्यातकों का कार्य आगे बढ़ाना, उनके उत्पादों को निर्यात करने में मदद करना, और उनकी लागत को कम करने में सहायता करना है। हमें उम्मीद है कि हम देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कंगना की अमर्यादित टिप्पणी पर 'आप' का आक्रोश फूटा

पैदल विरोध मार्च कर रहे किसान प्रकोष्ठ के सैकड़ों कार्यकर्ता गिरफ्तार

लखनऊ/नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा किसानों पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आम आदमी पार्टी किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो कार्यकर्ताओं सहित पैदल मार्च के लिए पार्टी कार्यालय से निकले तभी कुछ दूरी पर भारी संख्या में तैनात पुलिस बल ने सभी को बैरिकेटिंग लगाकर रोक लिया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा और कंगना के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की और झड़प हुई। बाद में पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर इको गार्डन पार्क ले गई।

किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो ने कहा कि कंगना किसानों को बलात्कारी और हत्यारा कह रही है। भाजपा को कंगना पर एक्शन लेना चाहिए। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व अपने ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्यवाही न कर उनके बयानों को मौन स्वीकृत देता रहता है जो देश समाज के लिए अच्छा नहीं है।

प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम ने कहा कि कंगना रनौत के बयान से देश का किसान शर्मिंदा एवम आक्रोशित है इसलिए कंगना रनौत को लोकसभा की सदस्यता से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से प्रदेश प्रवक्ता एवम अयोध्या प्रभारी संजीव निगम, किसान प्रकोष्ठ से प्रदेश महासचिव नीरज छोकर, प्रदेश संगठन मंत्री राम गुप्ता, ईरम रिजवी जिला अध्यक्ष लखनऊ अरविंद उपाध्याय पूर्वांचल प्रभारी,रंजना तिवारी, इस्मा जहीर पश्चिमी प्रांत प्रभारी, परवेज चौधरी बुंदेलखंड प्रभारी लखनऊ जिलाधक्ष गोविंद कुमार, अर्चना गौतम , राम उजागिर,कौशल शर्मा, नितिन शर्मा कैप्टन विजेंद्र चौधरी कल्याण सिंह फौजी सत्येंद्र कुमार सर्वेंद्र फौजी हरपाल सिंह संजीव बालियान जसवीर मलिक हुकम सिंह प्रधान जिला अध्यक्ष बुलंदशहर , अयोध्या से संदीप पटेल व रघुनाथ प्रसाद मौजूद रहे।